सुविचार
अपने सपनों को साकार करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है कि आप जाग जाएं
" पॉल वैलेरी "

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष 3 ■ अंक 64 ■ जबलपुर, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर टॉपिक वाली NCERT की किताब पर प्रतिबंध

सुप्रीम कोर्ट के 4 बड़े निर्देश

- केंद्र और राज्यों के शिक्षा विभाग तय करें कि किताब वाहे स्कूलों में हो, छपी हुई हो या डिजिटल, तुरंत लोगों की पहुंच से हटाई जाए।
- किताब के प्रिंटेड या डिजिटल वर्जन को बांटना कोर्ट के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन माना जाएगा।
- सभी राज्यों के शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव 2 हफ्ते में इस मामले में कार्रवाई की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपें।
- जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट कमेटी बनाएगा, जो पूरे मामले की जांच करेगी और जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगी।

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की उस पाठ्यपुस्तक के पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का संदर्भ दिया गया था। न्यायालय ने प्रचलन में मौजूद किताबों की प्रतियों को तुरंत जब्त करने का निर्देश दिया और इस संबंध में दो सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट मांगी।

न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह एनसीईआरटी के निदेशक और उन सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी जहां यह किताब पहुंची है। उन्हें अपने परिसर में मौजूद किताब की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त कर सील करना होगा। शीर्ष अदालत ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि संबंधित पुस्तक के आधार पर छात्रों को कोई निर्देश या शिक्षा न दी जाए। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को इस आदेश का पालन करने और दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या बदले हुए शीर्षकों के जरिए इस आदेश का उल्लंघन करने की किसी भी कोशिश को अदालत की अवमानना और निर्देशों की सीधी अवहेलना माना जाएगा। इससे पहले बुधवार को मुख्य न्यायाधीश ने पुस्तक की सामग्री पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि वह किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली पीठ ने इसे न्यायपालिका के खिलाफ एक गहरी साजिश करार दिया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और डॉक्टर अभिषेक मनु सिंघवी ने भी अदालत के समक्ष इस पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर चिंता जताई थी और कहा था कि यह पूरी न्यायपालिका की छवि को खराब कर रही है।

पीएम ने नरसंहार में मारे गए यहूदियों को श्रद्धांजलि दी

इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा

मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता

तेल अवीव। पीएम मोदी के इजराइल दौरे का आज दूसरा दिन है। इजराइल में भी अब भारत का वढकपेमेंट सिस्टम चलेगा, इसे लेकर मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू द्विपक्षीय मीटिंग में समझौता हुआ है। मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। दोनों नेत ट्रेड और डिफेंस डील का ऐलान कर सकते हैं। पीएम मोदी गुरुवार की सुबह सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल याद वाशेम पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मोदी इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मिले। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। मोदी बुधवार को दो दिन के इजराइल दौरे पर पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ यरूशलम में आयोजित एक विशेष नवाचार प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें रणनीतिक क्षेत्रों की अत्याधुनिक इजरायली प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर भारत और इजरायल के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग के गहराते संबंधों को रेखांकित किया गया। प्रदर्शनी में क्वांटम तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वास्थ्य-तकनीक, स्मार्ट मोबिलिटी, साइबर सुरक्षा, जल प्रबंधन, कृषि, जलवायु-तकनीक, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों की उन्नत नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। इन समाधानों ने इजरायल के सशक्त नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और उभरती प्रौद्योगिकियों में उसकी नेतृत्व भूमिका को दशार्या।पीएम मोदी ने इस दौरे पर नवप्रवर्तकों और उद्यमियों से बातचीत की तथा सटीक कृषि, सतत जल प्रबंधन, उन्नत साइबर सुरक्षा प्रणालियों और क्वांटम अनुसंधान प्लेटफार्मों सहित कई अभिनव समाधानों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये प्रौद्योगिकियां भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं और देश में इनके विस्तार तथा अनुकूलन की व्यापक संभावनाएं हैं।उन्होंने कहा, ये नवाचार कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच विस्तार करने, साइबर सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने, क्वांटम अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा जल और जलवायु संबंधी सतत समाधानों को सक्षम बनाने में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकते हैं।

पीएम मोदी इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर्स वाले पहले नेता

ट्रम्प से दोगुने; दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स भी उनसे कम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन, यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं। इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे दुनिया के पहले लीडर और पॉलिटिशियन बन गए हैं। पीएम मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। यहां उनके अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प से दोगुने से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। ट्रम्प 43.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स की संख्या मोदी के अकेले फॉलोअर्स की संख्या से कम है। ट्रम्प के बाद इंडोनेशिया के प्रेसिडेंट प्रबोवो सुबियांटो 15 मिलियन फॉलोअर्स का नंबर आता है। ब्राजील के प्रेसिडेंट लूला 14.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ चौथे नंबर पर हैं। तुर्की के प्रेसिडेंट एर्दोगन के 11.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

राहुल गांधी बोले- देश में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन बन चुका है सबसे बड़ा अपराध

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आज देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में शांतिपूर्ण विरोध करना सबसे बड़ा अपराध बन गया है। राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को ऐसी दिशा में धकेला जा रहा है, जहां असहमति को देशद्रोह और सवाल पूछने को साज़िश बताया जाता है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि यदि कोई नागरिक संवैधानिक तरीके से सत्ता के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसके हिस्से में लाठीचार्ज, मुकदमे और जेल ही आते हैं। उन्होंने विभिन्न आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि पेपर लीक से परेशान युवाओं के विरोध का जवाब लाठियों से दिया गया। महिला पहलवानों के आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करने वाली खिलाड़ियों की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया और उनके आंदोलन को कुचल दिया गया। इसी तरह, एक दुष्कर्म पीड़िता के समर्थन में इंडिया गेट पर हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन को भी हटाया गया। युवा कांग्रेस द्वारा अमरीका के साथ हुए ट्रेड डील के विरोध का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को ह्लदेश विरोधीह्व बताकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि जहरीली हवा के खिलाफ आवाज उठाने वालों को और किसानों के आंदोलन को भी दमन का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब आदिवासी समुदाय अपने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की मांग करता है, तो उस पर भी संदेह की दृष्टि डाली जाती है। उन्होंने सवाल किया, ह्लयह कैसा लोकतंत्र है, जहां प्रधानमंत्री सवालों से डरते हैं और असहमति को कुचलना शासन का स्वभाव बनता जा रहा है?ह्व राहुल गांधी ने कहा, ह्लशांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र की आत्मा है। सवाल पूछना उसकी ताकत है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सरकार आलोचना सुनती है, जवाब देती है और जवाबदेह रहती है। मोदी जी, ये नॉर्थ कोरिया (उत्तर कोरिया) नहीं, भारत है।

संबित पात्रा ने नेहरू को कंप्रोमाइज्ड चाचा बताया

नई दिल्ली। पात्रा ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नेहरू और कांग्रेस पर आरोप लगाए। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का कंप्रोमाइज्ड चाचा बताया। पात्रा ने कहा कि मैं बताता हूं कि असली समझौता किसने किया। इस सिलसिले में नेहरू का नाम सबसे पहले आता है। पात्रा ने कहा कि नेहरू के निजी सचिव रहे एम.ओ. माथाई को लेकर कहा जाता था कि वे अमेरिकी एजेंट थे। 1960 के दशक में सोवियत खुफिया एजेंसी केजीबी के एजेंट प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच रखते थे।

रामपुर में भीषण सड़क हादसा

डंपर से टक्कर के बाद कार में लगी आग, महिला कांस्टेबल और मासूम जिंदा जले

रामपुर। उत्तर प्रदेश में रामपुर जिले के गंज क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में महिला कांस्टेबल और उनके ढाई वर्षीय पुत्र की कार में जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य परिजन मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ग्राम बहटरा थाना मिलक निवासी लता (27) महिला कांस्टेबल थीं। वह 1090 कार्यालय, श्रावस्ती में तैनात थीं और 18 फरवरी से अवकाश पर थीं। बताया गया है कि बीती रात लगभग 11 बजे लता अपने पति दान सिंह, पुत्र अभियांश (लगभग ढाई वर्ष) और एक रिश्तेदार रवि के साथ नैनीताल से घूमकर कार से अपने गांव बहटरा लौट रही थीं। स्वार-रामपुर मार्ग पर थाना गंज क्षेत्र के निकट ग्राम काशीपुर के पास उनकी कार की अज्ञात डंपर से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला कांस्टेबल लता और उनके पुत्र अभियांश की मौके पर ही जलकर मृत्यु हो गई। घटना में लता के पति दान सिंह तथा उनके ममेरे चाचा रवि को मामूली चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया और मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाया। थाना गंज में अज्ञात डंपर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी में काम करने आई महिलाओं को तेज रफ्तार पिकअप ने कुचला, तीन की मौत, दो घायल

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार पिकअप वाहन से कुचलकर तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों में एक की हालत नाजुक होने पर उसे उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि मुख्यालय के छतरपुर रोड स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में आयोजित शादी समारोह में भोजन बनाने गई मजदूर महिलाओं का दल देर रात काम खत्म कर घर लौट रहा था। तभी तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर उन्हें कुचलता हुआ निकल गया। घटना से मौके पर अफरा-तफरी और कोहराम मच गया। शोर सुनकर आसपास के मकानों से लोग बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया।

सूरत की आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील कंपनी में हंगामा

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतरे कर्मचारियों ने की आगजनी, महिला डीसीपी घायल

सूरत। गुजरात के सूरत में हजीरा स्थित आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील कंपनी में गुरुवार सुबह हंगामा हो गया। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतरे कर्मचारी अचानक बिफर गए। उन्होंने 10 से ज्यादा गाड़ियों मे आग लगा दी। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया, जिसमें महिला डीसीपी घायल हो गईं। कंपनी के बन रहे नए प्लांट में आज सुबह 5000 से ज्यादा कर्मचारी अचानक काम छोड़कर हड़ताल पर चले गए। हड़ताल की मुख्य वजह काम के घंटों में हुई बढ़ोतरी को कम करने और वेतन वृद्धि है। शुरूआत में हड़ताल शांति से हो रही थी। लेकिन अचानक कुछ कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। **प्लांट में भारी पुलिस बल तैनात :** घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश की। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने 40 से अधिक आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस ने हिंसा में शामिल करीब 25 मजदूरों को हिरासत में लिया है।

दिल्ली में नौकरानी ने मालिक के घर फर्जी रेड कराई

3 लोग एऊअफसर बनकर गए, लाखों कैश, लग्जरी घड़ियां-गहने लेकर भाग थे; 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक नौकरानी ने अपने मालिक के घर पर फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) रेड कराई। मामला 11 फरवरी का है। 25 फरवरी को पुलिस ने रेखा देवी नाम की नौकरानी और उसकी भाभी पूजा राजपूत को पूरी साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 11 फरवरी को पुलिस की वर्दी पहने तीन लोग एऊ अफसर बनकर 86 साल के रिटायर्ड आर्किटेक्ट आरसी सभरवाल के घर में जबरन घुस गए। आरोपियों ने परिवार को धमकाया और तलाशी के दौरान मोबाइल फोन जब्त कर लिए। सभरवाल के पोते को शक हुआ तो उसने पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद तीनों आरोपी लगभग 3-4 लाख रुपये कैश, सात महंगी घड़ियां और गहने लेकर कार में फरार हो गए। पुलिस ने 24 फरवरी को मामला दर्ज करने के बाद इसकी जांच शुरू की थी।

कार की लोकेशन से आरोपियों तक पहुंची पुलिस : पुलिस ने 350 से अधिक उउळश कैमरों के फुटेज को खंगाला। अंत में एक ब्लू रंग की मारुति सुजुकी बलेनो पर शक हुआ। पुलिस ने घटनास्थल से कार की आवाजाही का पता लगाया तो पता चला कि कार सराय काले खान से होते हुए गाजीपुर बॉर्डर से उत्तर प्रदेश में दाखिल हुई थी। इसके बाद कार गाजियाबाद के वैशाली में एक घर के पास खड़ी देखी गई। कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर, पुलिस ने पता लगाया कि दिल्ली में लूट वाली जगह यानी न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और वैशाली में कार की पार्किंग वाली जगह पर कौन से मोबाइल नंबर एक्टिव थे।

नौकरानी की भाभी के घर से वर्दी और लूट का सामान मिला : मोबाइल टावर डंप डेटा और आईएमईआई ट्रैकिंग के जरिए पूजा राजपूत नाम की महिला का पता चला, जिसका फोन दोनों जगहों पर एक्टिव था। जांच की गई तो पता चला कि वह नौकरानी रेखा देवी की भाभी है। पुलिस ने बताया कि रेखा देवी भी अक्सर गाजियाबाद में भाभी के घर पर आती-जाती थी। बुधवार को जब टीम ने पूजा के घर पर छापा मारा, तो उन्हें फर्जी रेड में इस्तेमाल की गई वर्दी और कुछ सामान बरामद हुए। उन्हें चोरी की गई महंगी घड़ियां और गहने भी मिले। इसके बाद पुलिस ने रेखा (40) और पूजा (45) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (म.प्र)

मनरेगा योजना में संगठित लूट! बीजाडांडी जनपद का पूरा अमला कटघरे में

मनरेगा खेल मैदान में महाघोटाले की बू – जनपद सीईओ से लेकर सरपंच-सचिव तक सवालों के घेरे में

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिला की जनपद पंचायत बीजाडांडी में मनरेगा के खेल मैदान निर्माण के नाम पर बड़ा खेल होने की आशंका गहराने लगी है। सामग्री कार्यों पर रोक के बावजूद गुपचुप तरीके से काम शुरू कराए जाने से पूरे अमले की भूमिका संदेह के घेरे में आ गई है। सीईओ की चुप्पी, उपयंत्री की मेहरबानी – खेल मैदान बना भ्रष्टाचार का मैदान, सरपंच-सचिव से जनपद तक सेटिंग का खेल, बिना रॉयल्टी दौड़ रही मुर्रम, रोक के बीच काम चालू, भुगतान की तैयारी मनरेगा योजना बना ह्यकमाई गारंटी योजना, वही सूत्रों का दावा है कि बिना स्वीकृत खदान, बिना रॉयल्टी और बिना वैधानिक प्रक्रिया के मुर्रम डलवाई जा रही है, जिससे साफ है कि यह काम किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरी चेन की मिलीभगत से संचालित हो रहा है।

जनपद सीईओ की चुप्पी पर खड़े हो रहे बड़े सवाल

वही जनपद स्तर पर हो रहे इन कार्यों की जानकारी के बिना भुगतान संभव नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या जनपद सीईओ की मौन स्वीकृति से काम हो रहा है?

या फिर निगरानी तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है?

सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक की भूमिका संदिग्ध

ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य प्रारंभ करने की अनुमति

मस्टर रोल जारी करना

सामग्री की एंट्री माप पुस्तिका तैयार करना

इन सबकी जिम्मेदारी सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक की होती है। इसके बावजूद नियम विरुद्ध काम शुरू होना सीधे-सीधे उनकी भूमिका पर सवाल खड़े कर रहा है। उपयंत्री और एसडीओ पर तकनीकी मिलीभगत के आरोप तकनीकी स्वीकृति और माप के बिना भुगतान संभव नहीं है।

आरोप है किः बिना साइट निरीक्षण कार्य चालू, गुणवत्ता और मात्रा की अनदेखी, फर्जी माप पुस्तिका की तैयारी की भूमिका, उपयंत्री और एसडीओ की संलिप्तता की ओर इशारा कर रहे हैं।

मुर्रम का रहस्य – अवैध उत्खनन या फर्जी बिलिंग?

क्षेत्र में स्वीकृत खदान नहीं होने के बावजूद पाथाचोरी, लावार, बरगंदा, विजयपुर सहित कई स्थानों पर मुर्रम डलना कई गंभीर सवाल खड़े करता हैः क्या खनिज विभाग की मिलीभगत है? क्या राजस्व अमला भी शामिल है? या फिर अवैध उत्खनन से सरकारी राशि का बंदरबांट हो रहा है? अप्रैल से पहले बिल लगाने की हड़बड़ी क्यों? सूत्रों के अनुसार रोक हटने से पहले ही कार्य पूर्ण दिखाकर भुगतान निकालने की तैयारी है, जिससे घोटाले की आशंका और गहरा गई है। अगर जल्द

जांच नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन

वही स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है किः पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच,स्वीकृत खदानों और रॉयल्टी की जांच, तकनीकी अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल नहीं हुई तो जनआंदोलन किया जाएगा।

पारिवारिक विवाद में एक ही परिवार के 6 लोगों का किया था मर्डर

मंडला में मनेरी हत्याकांड के आरोपी को मौत की सजा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के बहुचर्चित मनेरी हत्याकांड में गुरुवार को अदालत ने अहम फैसला सुनाया। निवास कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिन्हा ने आरोपी हरी उर्फ हरीश सोनी को छह लोगों की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई है। फैसले के बाद मृतक राजेंद्र सोनी के भाई संतोष सोनी ने कहा कि हत्यारे को फांसी की सजा मिलने से उन्हें संतोष है। उन्होंने कहा कि सजा लागू होने के बाद ही परिवार को पूरी तरह न्याय मिलने का एहसास होगा।

15 जुलाई 2020 को हुआ था सामूहिक हत्याकांड- वारदात 15 जुलाई 2020 को बीजाडांडी थाना क्षेत्र के ग्राम मनेरी में हुई थी। गांव निवासी रज्जन सोनी के घर पर उनके ही रिश्तेदार दो भाइयों हरी और संतोष सोनी ने धारदार हथियार से हमला किया था। हमलावरों ने पहले घर में मौजूद लोगों की आंखों में मिर्च पाउडर डाला और फिर एक ही परिवार के छह सदस्यों की हत्या कर दी। घटना के दौरान एक आरोपी संतोष सोनी की मौके पर ही मौत हो गई थी। दूसरे आरोपी हरी सोनी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों और पीड़ित परिवार के बीच पुराना विवाद चल रहा था।

कई धाराओं में सजा और जुमार्ना

जांच के बाद मामला अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पेश साक्ष्यों और दलीलों के आधार पर अदालत ने हरी सोनी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मृत्युदंड और कुल 3 लाख रुपए का अर्थदंड (प्रत्येक हत्या पर 50 हजार रुपए) सुनाया। इसके अलावा धारा 307 के पांच मामलों में आजीवन कारावास (एक के बाद एक चलने वाली सजा), धारा 449 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास और आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) के तहत 2 साल की सजा दी गई। साथ ही 7 हजार रुपए का अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया गया है।

शीर्षक : इंसानियत- एक बच्ची के आँसू और महानगर की बेबसी—हमारी मरती हुई इंसानियत की कहानी

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला/मंडला। जिले में आज एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने पत्थर दिल को भी पिघला दिया। नाली में गिरकर एक कुत्ते के बच्चे की मौत हो गई। यह खबर जितनी छोटी थी, उससे जुड़ा दर्द उतना ही बड़ा। उस कुत्ते के बच्चे के लिए एक छोटी बच्ची का रो-रोकर बुरा हाल था। शायद कुछ ही महीनों में उसने उसे खिलाया-पिलाया होगा, उसके साथ खेला होगा, उसे अपना साथी बना लिया होगा।

आज वही बच्ची नाली के किनारे बैठकर फफक फफक कर ऐसे रो रही थी, जैसे उसने किसी अपने को खो दिया हो। उधर देश के सबसे आधुनिक और रिहायशी इलाकों में गिने जाने वाले ग्रेटर नोएडा में एक नौजवान लड़के की सड़क किनारे बने गड्ढे में कार सहित गिर जाने से मौत हो जाती है। मौत भी अचानक से नहीं होती, उस युवक ने करीब तीन से चार घंटे तक अपनी जान बचाने के लिए मशक्कत की रोया, चिल्लाया कि कोई तो मुझे बचा लो पर परिणाम अंत में दुखद ही आते है। एक नौजवान युवक की मौत.....कारण चाहे सिस्टम की लापरवाही हो या गलती, लेकिन नतीजा वही—एक ज़िंदगी खत्म। और उसके बाद जो दिखता है, वह और भी भयावह है। पूरा सिस्टम हाथ में हाथ धरे बैठा रहता है। कोई महानगर पालिका को दोष देता है, कोई पुलिस को, कोई बिल्डर को, तो कोई प्रशासन को। हर कोई अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता है, लेकिन मरने वाले के माँ-बाप की चीखें किसी फाइल में दर्ज नहीं होतीं। आज सवाल यह नहीं है कि गलती किसकी थी। सवाल यह है कि क्या एक छोटे शहर की छोटी बच्ची की इंसानियत और महानगर में रहने वाले इंसानों की मानवता में फर्क हो गया है? एक ओर वह बच्ची, जिसे शायद यह भी नहीं पता कि कानून क्या होता है, सिस्टम क्या होता है, लेकिन उसे यह जरूर पता है कि किसी की जान जाना दर्द देता है। दूसरी ओर वह महानगर, जहाँ सब कुछ है—ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, चमचमाती लाइटें—लेकिन संवेदनाएँ कहीं गुम हो गई हैं। हम आज अंधाधुंध विकास की दौड़ में शामिल हैं। बड़े घर, बड़ी गाड़ियाँ, बड़े सपने—सब कुछ चाहिए। लेकिन इस दौड़ में सबसे पहले जो कुचला जा रहा है, वह है इंसानियत।

आज हादसा होता है, लोग वीडियो बनाते हैं।

आज मौत होती है, लोग खबर पढ़ते हैं।

आज दर्द होता है, लोग अगले स्क्रोल में आगे बढ़ जाते हैं। मंडला की इस नन्हीं बच्ची ने हमें बिना भाषण दिए एक बड़ा सबक सिखा दिया। उसने यह दिखा दिया कि इंसान होना क्या होता है। उसके लिए वह कुत्ते का बच्चा सिर्फ जानवर नहीं था, वह उसका दोस्त था। उसके आँसू यह सवाल पूछ रहे थे– क्या हम इतने बड़े हो गए हैं कि हमें अब किसी की मौत का दर्द महसूस ही नहीं होता? शायद यही हमारे समय की सबसे बड़ी त्रासदी है। हम शहर तो बना रहे हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। हम तकनीक में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन संवेदना में पीछे जा रहे हैं। आज जरूरत यह नहीं है कि हम और ऊँची इमारतें बनाएं, बल्कि यह है कि हम अपने भीतर गिरी हुई इंसानियत को उठाएँ। क्योंकि अगर एक नन्हीं छोटी बच्ची किसी बेजुबान की मौत पर रो सकती है, तो हम इतने बड़े होकर भी किसी इंसान की मौत पर चुप क्यों हैं? आज मंडला की उस बच्ची ने और ग्रेटर नोएडा के उस हादसे ने हमें आईना दिखा दिया है। अब फैसला हमें करना है– आज हमें विकास के रास्ते के साथ ही साथ मानवता और इंसानियत को दिलों जज्बात में जिंदा रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

मंडला में बाइक बोलेरो भिड़ंत, युवक की मौत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नेशनल हाईवे 30 पर बुधवार देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना बिछिया थाना क्षेत्र के गणेश पेट्रोल पंप के पास रात करीब 3 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, सिझोरा निवासी अभय जोगी बिछिया की ओर से अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही एक बोलेरो वाहन से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बोलेरो सड़क से नीचे खेत में उतर गई, जबकि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिछिया थाना प्रभारी रंजीत सैयाम ने बताया कि गुरुवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बोलेरो वाहन को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच जारी है।

रैली निकाल तहसील कार्यालय का घेराव, सौपा ज्ञापन

शैक्षणिक अव्यवस्था को लेकर अभाविप ने किया प्रदर्शन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। शैक्षणिक अव्यवस्थाओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंजनियाँ इकाई ने बुधवार को प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने तहसील कार्यालय का घेराव कर प्रतीकात्मक रूप से ताला जड़ा और कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ता 11 बजे शासकीय महाविद्यालय अंजनियां परिसर में एकत्रित हुए। परिषद ने महाविद्यालय भवन निर्माण में हो रही देरी, सीएम राइज विद्यालय में कथित अनियमितताओं तथा मूलभूत सुविधाओं के अभाव को प्रमुख मुद्दा बताया। ज्ञापन में कहा गया कि अंजनियां महाविद्यालय की नई बिल्डिंग लंबे समय से अधूरी पड़ी है जिससे छात्र-छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। परिषद ने मांग की कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर भवन महाविद्यालय प्रशासन को हस्तांतरित किया जाए। प्रदर्शन के दौरान निर्माण ठेकेदार भी मौजूद रहा। जिसने अप्रैल माह तक भवन हैंडओवर करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही परिषद ने अंजनियां स्थित सीएम राइज विद्यालय भवन निर्माण में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई। ज्ञापन में निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई तथा गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े इंजीनियरों एवं तकनीकी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। परिषद का आरोप है कि अधूरे निर्माण के दौरान ही दीवारों में दरारें आना गंभीर लापरवाही को दशार्ता है'। नवीन महाविद्यालय से सड़क की मांग-नवीन महाविद्यालय से मुख्य सड़क तक डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण, परिसर में बाउंड्री वॉल एवं सांस्कृतिक मंच निर्माण, निजी शैक्षणिक संस्थानों में फायर एनओसी की जांच तथा अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। एबीवीपी पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को सभी बिंदुओं पर त्वरित निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित।

थाना बिछिया में होली के त्योहार के चलते हुई शांति समिति की बैठक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के थाना बिछिया दिनांक 25.02.2026 को बिछिया स्थित थाना प्रांगण में आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में श्री शंकर सिंह मरावी, मनोज निगम, रंजीत सिंह सैयाम एवं थाना बिछिया का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। बैठक के दौरान उपस्थित जनों को होली का पर्व शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। सभी समुदायों से एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने, जबरन रंग न लगाने, डीजे/लाउडस्पीकर का प्रयोग न करने, नशे की हालत में हुड़दंग न करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने हेतु समझाइश दी गई। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री प्रसारित न करने की हिदायत दी गई। आम नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें। बैठक के अंत में उपस्थित नागरिकों ने होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने तथा प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में श्री शंकर सिंह मरावी तहसीलदार बिछिया ,निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम थाना प्रभारी बिछिया मनोज निगम कार्यालय प्रभारी एवं योजना सहायक नगर परिषद बिछिया, थाना बिछिया का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

हेलमेट अनिवार्यता, साइबर सुरक्षा एवं नशा मुक्ति पर विशेष जनसंवाद अभियान

गांव–गांव पहुंची मंडला पुलिस, चौपाल के माध्यम से सुरक्षा और जागरूकता का संदेश

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। पुलिस अधीक्षक मंडला श्री रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में मंडला जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल आयोजित कर ग्रामीण नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं को सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। अभियान के अंतर्गत थाना महाराजपुर (बुढार), थाना टिकरिया (सहजनी), थाना निवास (बसनिया), चौकी मनेरी (बिलनगरी), चौकी पिंडरई (सालीवाड़ा, पिपरिया), चौकी पांडीवारा (सिलवानी) क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों द्वारा चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रमों में नागरिकों को साइबर फ्रॉड से बचाव, यातायात नियमों का पालन, हेलमेट धारण करने, दोपहिया वाहन नाबालिकों द्वारा न चलाने देने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के उपयोग, नशा मुक्ति तथा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के संबंध में विस्तार से जागरूक किया गया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि नशे की अवस्था में वाहन चलाना दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है, इसलिए इससे दूर रहना आवश्यक है। साथ ही साइबर अपराध के मामलों में त्वरित सहायता के लिए साइबर हेल्पलाइन 1930, डायल 112, महिला हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं मानस हेल्पलाइन 1933/14446 की जानकारी दी गई। साइबर ठगी में होल्ड राशि को निर्धारित प्रक्रिया के तहत बैंक या पुलिस की सहायता से वापस प्राप्त करने की जानकारी भी दी गई।

थाना प्रभारी प्रदीप पांडे के द्वारा ली गई और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई होली पर्व के उपलक्ष में

थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। आगामी त्यौहारों को लेकर थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक गुरुवार दोपहर आयोजित की गई जिसमें बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आगामी त्योहारों जैसे होली, रंगपंचमी, ईद व रामनवमी मार्च माह में होने से इन अवसरों पर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखे,सभी त्यौहार में सौहार्दपूर्ण व आपसी भाई चारे के साथ मनाए,सभी की भावनाओं का सम्मान करे एवं त्यौहार मनाते समय किसी की भावनाओं को ठेस ना पहुंचे इसका विशेष ध्यान रखा जाए । वही थाना प्रभारी प्रदीप पांडेय एवं तहसीलदार द्वारा कहा गया कि डीजे के उपयोग पर विशेष सावधानी बरती जाए। इससे होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार कार्य करे उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी मिलकर कार्य करें। इसी के साथ ही उन्होंने बैठक में आए समिति के सदस्यों द्वारा बताई गई समस्याओं व सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना व संबंधी कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी त्योहार परंपरागत रूप से मनाए जाएंगे, और नगर में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे। शांति समिति की बैठक में मागन लाला सोनी, रतन ठाकुर, अविनाश शर्मा,दीपक सोनी,गया चक्रवती, सुरेंद्र सोनी, सूरज सोनी, राजेश सोनी,बेनीलाल सिगरौरे, गुडुआ भाईजान,सरपंच, सचिव एवं पुलिस कर्मी एसआई नारायण तराम, अभिषेक मिश्रा, एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गलत तरीके से संविलियन भर्ती, परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के उपरांत भी नियम विरुद्ध पदस्थापना

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। नवगठित निकाय डूमरकछार में गलत तरीके से संविलियन भर्ती, परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के उपरांत भी नियम विरुद्ध पदस्थापना,गलत तरीके से अपने पुत्र/पुत्री एवं सगे संबंधियों को नवगठित निकायों में संविलियन कराए जाने की जांच किये जाने की मांग निकाय अध्यक्ष सहित लगातार निकाय क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा सक्षम अधिकारियों से की जा रही है,निकाय डूमरकछार में पदस्थ संविलियन कर्मचारी रजनीश प्रसाद शुक्ला के द्वारा संविलियनल भर्ती में गठित समिति में सदस्य के रूप में फर्जी आंकड़े प्रस्तुत कर संविलियन में जो फजीर्वाड़ा किया गया वह तो किया ही गया अब निकाय गठन के बाद से अब तक तक फर्जी प्रस्तावों एवं दस्तावेजों में हेराफेरी करके कुछ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के रिश्तेदारों एवं फर्मों और अपने चहेतों के नाम पर नगर पालिका अधिनियम एवं लेखा वित्त नियम का उलंघन करते हुए लेखापाल के द्वारा लाखों की राशि फर्जी तरीके से समय-समय पर पदस्थ सीएमओ के माध्यम से गबन किया गया है,इसकी भी शिकायत उच्च अधिकारियों को की गयी है, परन्तु इस पूरे मामले की जांच

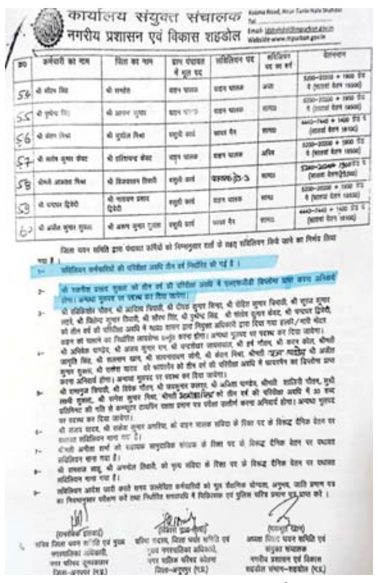
कार्यालय संयुक्त संचालक
नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल

आज दिनांक तक नहीं की गयी है। ज्ञात हो कि नवगठित निकाय डूमरकछार में पंचायत कालीन कर्मचारियों को निकाय में संविलियन किए जाने हेतु जिला चयन समिति के द्वारा 06.02.2021 को नियत की गयी थी,जिला चयन समिति द्वारा ग्राम पंचायत कालीन कर्मचारियों को म.प्र. नगर पालिका सेवा (वेतन एवं भत्ता) नियम 1967 के नियम 8 के प्रावधान अंतर्गत संविलियन किये जाने का निर्णय लिया गया था,इस निर्णय में रजनीश प्रसाद

फर्जी प्रस्तावों एवं दस्तावेजों में हेराफेरी

शुक्ला (तात्कालिक सचिव,ग्राम पंचायत डूमरकछार) को राजस्व उपनिरीक्षक के पद पर संविलियन किया गया था,जारी आदेश के तहत संविलियन किये गये कर्मचारियों को 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के लिए पदस्थ किया गया था, 03 वर्ष के दौरान रजनीश प्रसाद शुक्ला को एलएसजीडी डिप्लोमा प्राप्त करना अनिवार्य था, यदि डिप्लोमा प्राप्त नहीं करेंगे तो मूल पद पर वापस पदस्थ कर दिया जाएगा ऐसा इनके नियुकि आदेश में वर्णित है,इनके द्वारा परिवीक्षा अवधि के दौरान एलएसजीडी डिप्लोमा प्राप्त नही किया गया है,फिर भी इन्हें वापस ग्राम पंचायत सचिव के मूल पद पर आज दिनांक तक पदस्थ नही गया है,मूल पद पर इनकी वापसी की मांग निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने उच्चाधिकारियों से की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नवगठित निकाय डूमरकछार में राजस्व उपनिरीक्षक एवं लेखापाल रजनीश प्रसाद शुक्ला का ग्राम पंचायत सचिव से नगरीय निकाय में राजस्व उपनिरीक्षक के पद पर संविलियन नियमों के विरुद्ध किया गया है,ज्ञात हो कि पंचायत राज संचालनालय मध्य प्रदेश के द्वारा जारी पत्र क्रमांक/प.रा./पंचायत-1942/2016/10123 भोपाल दिनांक-28.06.2017 के अनुसार ग्राम पंचायत के सचिव का संविलियन शहरी विकास विभाग में नहीं हो सकता है फिर भी नवगठित निकाय डूमरकछार में रजनीश प्रसाद शुक्ला का संविलियन किया गया है, प्रदेश की कई नवगठित निकायों में इसी आधार पर पंचायत में कार्यरत कर्मचारियों का संविलियन नगरीय निकाय में नहीं किया गया तो फिर यह इस क्षेत्र में ऐसा जानबूझकर क्यों किया गया,निकाय अध्यक्ष सहित कई निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने वरिष्ठ उच्च अधिकारियों से पत्राचार कर इस पूरे मामले की जांच कराकर विभागीय,अग्रिम एवं उचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है। उच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देकर सीएमओ और लेखापाल की मिली भगत से निकाय में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है,इस पूरे मामले की जांच भी आवश्यक है,सवाल यह उठता है कि क्या उच्च न्यायालय ने फजीर्वाड़ा करने के लिए इन्हें छूट दे रखी है।

पेपर बिगड़ने पर छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी, परिवार में शोक

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोलुहा चौकीटोला में एक 25 वर्षीय आईटीआई छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पेपर बिगड़ जाने से आहत छात्र ने गुरुवार सुबह घर के पीछे बाड़ी में आम के पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मनोज चौधरी, पिता नत्थूलाल चौधरी, आईटीआई का छात्र था। उसका एक विषय में बैक लगा हुआ था, जिसका पेपर देने वह बुधवार को शहडोल गया था। शाम को घर लौटने पर उसने अपने बड़े भाई अनिल चौधरी को बताया कि उसका पेपर ठीक नहीं गया और वह इसे लेकर काफी परेशान है। भाई ने उसे समझाने की कोशिश की और कहा कि दोबारा परीक्षा दे देना, लेकिन मनोज गुमसुम रहा। बताया जा रहा है कि उसने बुधवार रात खाना भी नहीं खाया और चुपचाप अपने कमरे में सो गया। गुरुवार सुबह वह रोज की तरह उठकर मवेशियों को बांधने के लिए खलिहान की ओर गया। जब उसका बड़ा भाई बाड़ी की तरफ पहुंचा तो देखा कि मनोज आम के पेड़ पर नायलॉन की रस्सी से फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। उसने शोर मचाया तो परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना जैतपुर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पेपर बिगड़ जाने से आहत होकर उसने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सांसद हिमाद्री सिंह स्टॉपेज ट्रेनों को दिखाएंगी हरी झंडी

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के स्टॉपेज की की मांग क्षेत्र की जनता के द्वारा लंबे समय से की जा रही थी यात्रियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से निरंतर रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए मुलाकात कर मांग करती रही और जिन्हें सफलता भी मिली है भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिमाद्री सिंह को पत्र लिख कर वेंकटनगर स्टेशन मे पुरी - ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस, अनूपप्रु मे रानी कमलापति - संतरागांछी और कोतमा मे अंबिकापुर - हजरत निजामुद्दीन ट्रेन स्टापेज को स्वीकृति प्रदान की है। जिन ट्रेनों के स्टॉपेज की स्वीकृति प्रदान हुई है उन ट्रेनों के ठहराव के लिए 27 फरवरी 2026 को सांसद हिमाद्री सिंह द्वाराअनूपपुर रेलवे स्टेशन से एक साथ हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम को संपन्न किया जाएगा । शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह की पहल पर रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले तीन स्टेशनों में 03 जोड़ी एक्सप्रेस गाड़ियों का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । जिसमें सांतरागाछी-रानी कमलापति-सांतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस का अनूपपुर में, उत्कल एक्सप्रेस का वेंकटनगर तथा निजामुद्दीनझअम्बिकापुर- निजामुद्दीन एक्सप्रेस का कोतमा स्टेशन में ठहराव की सुविधा शामिल है ।

वैदिक मंत्रोच्चार तथा उल्लास एवं आनंद के साथ 188 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

बेटे भाग्य से और बेटियां परम सौभाग्य से लेती है जन्म- सांसद

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। सांसद शहडोल संसदीय क्षेत्र हिमाद्री सिंह ने कहा है कि बेटियां ईश्वर की अनमोल रत्न होती हैं। बेटे भाग्य से और बेटियां परम सौभाग्य से जन्म लेती हैं। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज वे पुष्पराजगढ़ की पवित्र भूमि पर 188 नवदंपतियों के विवाह समारोह में सम्मिलित हो सकीं। उन्होंने कहा कि हिंदू रीति-रिवाजों में अनेक दानों का उल्लेख है, परंतु उनमें कन्यादान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। उन्होंने बेटियों के माता-पिता को शुभकामनाएं देते हुए इस पुण्य कार्य हेतु बधाई दी। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जन्म से लेकर मृत्यु तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अत्यंत संवेदनशील

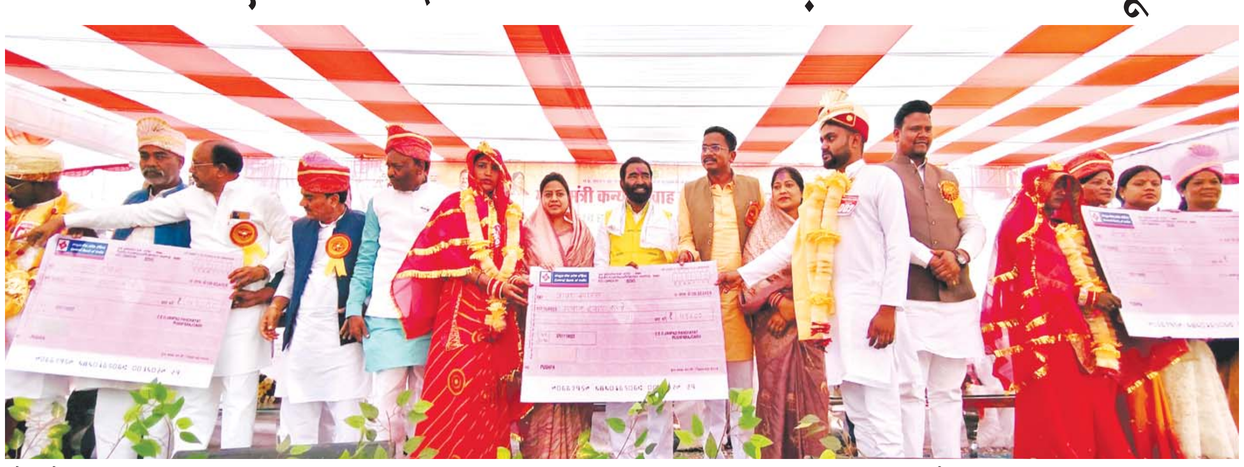

है और समाज के हर वर्ग तथा प्रत्येक व्यक्ति के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना संचालित की जा रही है, ताकि बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक हो सके और वे सुखमय जीवन व्यतीत कर सकें। सांसद ने यह भी कहा कि जिले के जनप्रतिनिधि जिले के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल सिंह मार्को ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंधने वाले जोड़े समाज में पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि बेटियां दो परिवारों को स्नेह और संस्कार के सूत्र में जोड़ने का कार्य करती हैं। प्रत्येक माता-पिता की इच्छा होती है कि उनकी पुत्री का विवाह आनंद, उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हो, और मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह इसी भाव का सजीव उदाहरण है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह के अंतर्गत आज कुल 188 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ परिणय सूत्र में बंधे। धार्मिक रीति-रिवाजों और पारंपरिक विधि-विधान के बीच संपन्न हुए इस सामूहिक विवाह समारोह में उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा हितग्राही सीमा देवी, माधुरी सिंह, हंसवती, रेनू देवी तथा माया बनावल को प्रतीक स्वरूप 49 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न, विभिन्न बिंदुओ पर चर्चा की गई व दिए आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में कलेक्टर सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में विभिन्न बिंदुओ पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । बैठक में कहा गया कि सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाने के लिए एन एच के किनारे खड़े वाहनों पर कार्यवाही की जाए। ब्लैक स्पाट स्थल पर ब्रेकर,सूचक चिन्ह निधारित मापदंड के आधार पर लगाए जाए। नगर के अंदर पार्किग व्यवस्था के लिए सीएमओ को निर्देशित किया गया कि निर्धारित पार्किग स्थल पर ही वाहन खडे हो यह सुनिश्चित किया जाए, नो पार्किंग में वाहन खड़े

होने की स्थिति में चालानी कार्यवाही की जाए तथा पार्किग स्थल पर पार्किग बोर्ड लगवाया जाए। जिला मुख्यालय के गांधी चौक से लेकर रणविजय चौक तक लग रही अस्थई सब्जी मंडी को हटाया जाए ताकि सड़क में वाहनों का आवागमन सुगम हो सके और दुर्घटनाएं कारित नही हो सके । इसके साथ ही जिन दुकानदारों व्दारा अपने दुकान का समान व्हाईट लाइन के बाहर रख कर यातायात बाधित किया जा रहा है, उन्हें समान दुकान के अंदर रखने की समझाईश दी जाए,ऐसा नहीं होने पर चलानी कार्यवाही की जाए। राष्ट्रीय राजमार्गो के बसाहट वाले स्थानो पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाए। बैठक में परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले में चल रही कंडम बसों,तथा ओव्हरलोड चल रहे वाहनों का औचक अवलोकन करते हुए पाई गई कमियों पर कार्यवाही की जाए । यातायात प्रभारी को निर्देशित किया गया कि नगर में चेकिंग अभियान चलाकर संचालित कर हेलमेट की अनिवार्यता सुनिश्चित किया जाए ।

जिला प्रशासन ने पटवारियों की माँगें मानी, हड़ताल अवधि को अर्जित अवकाश में स्वीकृत करने के दिए निर्देश

निलंबित पटवारियों को बहाल करने के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिला प्रशासन अनूपपुर ने 12 फरवरी 2026 से हड़ताल कर रहे पटवारियों के हित में एक बड़ा निर्णय लेते हुए उनकी हड़ताल अवधि और रुके हुए वेतन को लेकर आदेश जारी किए हैं। प्रशासन के इस रुख से जहाँ एक ओर अधिकांश पटवारियों में राहत की लहर है, वहीं दूसरी ओर कुछ पटवारी द्वारा पर निजी स्वार्थ के चलते आंदोलन को बेवजह खींचने के गंभीर आरोप भी लग रहे हैं। ?जिला प्रशासन ने पटवारियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हड़ताल अवधि को ?अर्जित

अवकाश में स्वीकृति की अनुमति दी है। जिससे उनकी सेवा अवधि में कोई व्यवधान नहीं आएगा। वेतन आहरण के निर्देश हड़ताल के कारण रुके हुए जनवरी माह के वेतन को तत्काल आहरण करने की स्वीकृति दे दी गई है। ?निलंबन से बहाली विभिन्न प्रशासनिक कारणों से हड़ताल के पूर्व निलंबित किए गए पटवारियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पुनः सेवा में बहाल किया जा रहा है। एक तरफ जहाँ प्रशासन ने मानवीय रुख अपनाते हुए पटवारियों की बड़ी मांगों को स्वीकार कर लिया है, वहीं दूसरी ओर जिले के कुछ पटवारीयों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इन पटवारियों पर आरोप लग रहे हैं कि वे अपने निजी स्वार्थ को साधने के लिए जिले के अन्य पटवारियों को गुमराह कर रहे हैं। प्रशासन की सकारात्मक पहल के बावजूद इन व्यक्तियों द्वारा आंदोलन को अनवरत जारी रखने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे आम पटवारियों के काम और उनकी छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ?जिला प्रशासन की इस पहल के बाद अब सबकी नजरें उन पटवारियों पर हैं जो अभी भी असमंजस में हैं। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि वह कर्मचारियों के कल्याण के लिए तैयार है, लेकिन कुछ स्वार्थी तत्वों के कारण जिले की राजस्व व्यवस्था को बाधित करना उचित नहीं है।

हवाई अड्डा निर्माण का मुद्दा विधानसभा में गूंजा, विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह ने सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर में हवाई अड्डा (एयरपोर्ट) निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग एक बार फिर मध्यप्रदेश विधानसभा में जोरदार ढंग से उठाई गई। अनूपपुर के विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री बिसाहू लाल सिंह ने 25 फरवरी 2026 को बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न क्रमांक 1219 के माध्यम से सरकार से विस्तृत जानकारी मांगते हुए पूछा कि मुख्यमंत्री द्वारा 16 अगस्त 2024 को की गई घोषणा के बाद अब तक क्या ठोस प्रगति हुई है और कार्य प्रारंभ करने की वास्तविक स्थिति क्या है। विधायक बिसाहू लाल सिंह ने सदन में कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से अनूपपुर में हवाई पट्टी/हवाई अड्डा निर्माण हेतु परीक्षण कराए जाने की घोषणा की थी। डेढ़ वर्ष का समय बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से स्पष्ट किया कि क्या स्थल चयन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, क्या आवश्यकता, उपयोगिता एवं व्यवहार्यता

(फिजिबिलिटी) परीक्षण कराया गया है और यदि कराया गया है तो उसकी वर्तमान स्थिति क्या है। उन्होंने पूर्व में दिए गए लिखित उत्तर का हवाला देते हुए कहा कि परीक्षण की प्रक्रिया की बात कही गई थी, परंतु अब तक उसके परिणाम सार्वजनिक नहीं किए गए। विधायक ने यह भी पूछा कि क्या अनूपपुर को उन जिलों की सूची में औपचारिक रूप से शामिल किया गया है जहां नई हवाई पट्टी विकसित की जानी है। सरकार की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि मध्यप्रदेश नगर विमानन नीति 2025 के अंतर्गत प्रत्येक जिले में कम से कम एक हवाई पट्टी विकसित करने की कार्ययोजना बनाई गई है। इस संबंध में जिलों के कलेक्टरों को पत्र जारी कर संभावित स्थलों की पहचान, भूमि की उपलब्धता, आवश्यकता एवं व्यवहार्यता परीक्षण कर प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर में यह भी स्वीकार किया गया कि वर्तमान में अनूपपुर जिले में कोई हवाई पट्टी निर्मित नहीं है, किंतु प्रारंभिक स्तर पर फिजिबिलिटी सर्वे की कार्यवाही की गई है।

आज सजेगा संकल्प महोत्सव 2026, संस्कृति और युवा प्रतिभा का होगा भव्य संगम

सजेगी सुरों की महफिल, श्रुति व सुनील बनेंगे आकर्षण का केंद्र

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में शामिल संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा आयोजित होने वाला संकल्प महोत्सव 2026 इस वर्ष 27 फरवरी को भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय परिवार की ओर से इस बहुप्रतीक्षित सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक उत्सव में क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों,अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा आम जनमानस को सादर आमंत्रित किया गया है। आयोजकों के अनुसार संकल्प महोत्सव केवल मनोरंजन का मंच नहीं,

बल्कि शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक चेतना और युवा प्रतिभा का विराट संगम है। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा

देना तथा समाज और शिक्षा के बीच मजबूत संवाद स्थापित करना है। महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य, संगीत, नाटक, लोक प्रस्तुतियों तथा रचनात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही शैक्षणिक उपलब्धियों और नवाचारों को भी प्रदर्शित करने की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिल सके। इस बार महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण मनोरंजन जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका श्रुति जायसवाल अपनी सुरमयी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। वहीं छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोकगायक सुनील मानिकपुरी अपनी लोकधुनों से सांस्कृतिक रंग बिखेरेंगे। इसके अतिरिक्त पारंपरिक गुदुम कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोक वाद्य और नृत्य का अद्भुत संगम भी दर्शकों को देखने को मिलेगा।

संपादकीय

व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मयार्दाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के बेकमीज कार्यकताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को बब्बर शेर करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में आपराधिक साजिश, देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भडकाने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। किसान महाचौपाल की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को सोया स्टेट कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है। भारत दशकों से 75 फीसदी खाद्य तेल और दालें आयात करता रहा है, क्योंकि भारत में खपत इतनी है और भारतीय किसान इतना उत्पादन करने में असमर्थ है। भारत कुल 1.61 लाख करोड़ रुपए का खाद्य तेल आयात करता है। क्या इन दशकों में हिंदुस्तान नहीं बिका? या किसान खत्म नहीं हुए? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप है कि उन्होंने अमरीका के साथ व्यापार समझौते के जरिए हिंदुस्तान को ही बेच दिया। वस्त्र उद्योग बर्बाद कर दिया। किसानों को खत्म (सोयाबीन, कपास के संदर्भ में) कर दिया और देश का महत्वपूर्ण डाटा अमरीका को दे दिया। चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और प्रधानमंत्री का लगातार विरोध करना ही उनका राजनीतिक दायित्व है। भारत के लोकतंत्र में नेता विपक्ष को छाया प्रधानमंत्री कहते हैं, क्योंकि वह दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पद है। राहुल गांधी कुछ भी बोल सकते हैं, लेकिन सच तो यह है कि अभी अमरीका के साथ व्यापार समझौता हुआ ही नहीं है। सिर्फ फ्रेमवर्क हुआ था, जिसे कभी भी खारिज किया जा सकता है। अब अमरीकी सर्वोच्च अदालत के अवैध टैरिफ वाले फैसले के बाद दोनों पक्ष पुनर्विचार कर रहे हैं, बैठक भी टाल दी गई है। जब डील हुई ही नहीं, तो देश कैसे बेच दिया गया? इसके अलावा, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री, कृषि मंत्री लिखित तौर पर स्पष्ट कर चुके हैं कि किन कृषि, खाद्य, डेयरी उत्पादों और मसालों को भारत के बाजार में आने की अनुमति अमरीका को नहीं दी गई है। फिर देशहित से सौदा कैसे कर लिया गया? कमोबेश नेता प्रतिपक्ष देश को भ्रमित और गुमराह न करें। कांग्रेस अभी ऐसी महाचौपाल महाराष्ट्र और राजस्थान में भी आयोजित करेगी। बहरहाल यह उनकी राजनीति है, लेकिन एआई शिखर सम्मेलन के दौरान जो नंगापन सामने आया, क्या उसकी कोई भी लीड खुफिया एजेंसियों को नहीं मिली? यह खुफिया तंत्र की गंभीर नाकामी है कि वैश्विक आयोजन में हुड़दंग मच गया।

नये भारत की नई PRAHAAR नीति

आतंक के हर रूप से अब ऐसे निपटेगा भारत

दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष धर्म, जाति या राष्ट्रीयता से नहीं जोड़ता। लेकिन यह भी उतनी ही स्पष्टता से दर्ज किया गया है कि सीमा पार से प्रायोजित जिहादी आतंकी संगठन और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ लगातार साजिशें रचते रहे हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सोमवार को देश की पहली समग्र आतंक विरोधी नीति जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब आतंक के खिलाफ संघर्ष एक संगठित और आक्रामक ढांचे के तहत लड़ा जाएगा। इस नीति का नाम रखा गया है प्रहार। नाम ही संकेत दे रहा है कि यह नीति रक्षात्मक नहीं बल्कि प्रतिघात और प्रतिकार की सोच पर आधारित है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी दस्तावेज में साफ कहा गया है कि भारत को सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ साइबर हमलों, ड्रोन के दुरुपयोग और उभरती तकनीकों के जरिये हो रहे हमलों का भी सामना करना पड़ रहा है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि अपराधी हैकर और कुछ राष्ट्र लगातार साइबर हमलों के जरिये भारत को निशाना बना रहे हैं। यह खतरा अब केवल बंदूक और बारूद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि की-बोर्ड, कोड और क्रिप्टो वॉलेट तक फैल चुका है। नीति में यह रेखांकित किया गया है कि भारत जल, थल और नभ तीनों मोर्चों पर आतंकी खतरों से जूझ रहा है।

बिजली, रेल, विमानन, बंदरगाह, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा क्षमता को मजबूत किया गया है ताकि राज्य और गैर राज्य तत्वों की साजिशों को विफल किया जा सके। यह स्पष्ट संकेत है कि अब आतंक के खिलाफ केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं होगी, बल्कि रणनीतिक तैयारी पहले से की जाएगी।दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष धर्म, जाति या राष्ट्रीयता से नहीं जोड़ता। लेकिन यह भी उतनी ही स्पष्टता से दर्ज किया गया है कि सीमा पार से प्रायोजित जिहादी आतंकी संगठन और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ लगातार साजिशें रचते रहे हैं। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों का नाम लेते हुए नीति में कहा गया है कि ये संगठन स्लीपर सेल के जरिये भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश करते रहे हैं। विशेष चिंता का विषय ड्रोन और रोबोटिक तकनीक का दुरुपयोग है, खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में। हथियार और मादक पदार्थ गिराने से लेकर आतंकी हमलों की साजिश तक, तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्शन टूल, डॉर्क वेब और क्रिप्टो वॉलेट के जरिये फंडिंग और प्रचार का नेटवर्क खड़ा किया जा रहा है। नीति इस डिजिटल युद्ध को पहचानते हुए सीबीआरएनईडी यानी रासायनिक, जैविक, विकिरण, परमाणु, विस्फोटक और डिजिटल सामग्री तक आतंकी पहुंच को रोकने की चुनौती पर जोर देती है।

गृह मंत्रालय ने जांच की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर कानूनी विशेषज्ञों को जोड़ने की सिफारिश की है ताकि एफआईआर से लेकर अभियोजन तक केस मजबूत बन सके। यह कदम आतंक के खिलाफ अदालतों में निर्णायक सजा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कट्टरपंथ के मुद्दे पर भी नीति स्पष्ट है। अक्सर देखने में आता है कि आतंकी संगठन भारतीय युवाओं को बरगलाने की कोशिश करते हैं। ऐसे मामलों में चरणबद्ध पुलिस प्रतिक्रिया, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास कार्यक्रमों का प्रावधान किया गया है। समुदाय और धार्मिक नेताओं की भूमिका को भी रेखांकित करते हुए कहा गया है कि जागरूकता और संवाद के जरिये युवाओं को भटकने से रोका जाएगा। जेलों में भी डि रेडिकलाइजेशन कार्यक्रम चलाने की बात कही गई है।

यह नीति केवल घरेलू ढांचा नहीं है। इसमें अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की भी आवश्यकता पर बल दिया गया है, क्योंकि आतंक का नेटवर्क सीमाओं से परे फैला हुआ है। विदेशी संगठन स्थानीय ढांचे और भूगोल का उपयोग कर हमले की साजिश रचते हैं। ऐसे में समन्वित वैश्विक कार्रवाई जरूरी है। देखा जाये तो प्रहार नीति वस्तुतः उस बदले हुए भारत को दशार्ती है जो अब आतंकवाद को नियति मानकर सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा। पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमा पार आतंकवाद का जवाब केवल कूटनीतिक नोटिस से नहीं बल्कि निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब यह नीति उस सोच को संस्थागत रूप दे रही है।

भारत की प्रहार नीति का सामरिक महत्व अत्यंत गहरा है। यह स्पष्ट संदेश देती है कि भारत बहु आयामी युद्ध को समझता है। आतंक अब केवल सीमा पर घुसपैठ नहीं, बल्कि साइबर स्पेस, वित्तीय नेटवर्क और वैचारिक प्रचार के जरिये भी फैलाया जाता है। प्रहार इन सभी मोर्चों पर एकीकृत प्रतिक्रिया का ढांचा प्रस्तुत करता है। साथ ही यह नीति रक्षात्मक मानसिकता से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और पूर्व तैयारी की रणनीति अपनाती है। इसके अलावा, यह कानून, तकनीक और समाज तीनों को एक साथ जोड़ती है। सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की नीति ने स्पष्ट कर दिया है कि अब धैर्य की भी सीमा है। कश्मीर में आतंकी ढांचे को तोड़ने, फंडिंग पर नकेल कसने और अलगाववादी नेटवर्क को ध्वस्त करने के कदमों ने जमीन पर असर दिखाया है। प्रहार उसी क्रम का अगला चरण है जहां आतंक के हर स्वरूप को चिन्हित कर व्यवस्थित ढंग से कुचला जाएगा।

जो लोग आतंक के खिलाफ कठोर नीति को लेकर संशय जताते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि राष्ट्रीय सुरक्षा भावनात्मक उदारता से नहीं बल्कि कठोर निर्णयों से सुरक्षित होती है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी धर्म को आतंक से नहीं जोड़ता, लेकिन आतंक के नाम पर देश को अस्थिर करने की हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब देगा। बहरहाल, प्रहार नीति एक संदेश है कि नया भारत हमले का इंतजार नहीं करता, बल्कि खतरे की पहचान कर पहले ही प्रहार करता है। यही रणनीतिक परिपक्वता किसी भी उभरती शक्ति की पहचान होती है। आतंक के खिलाफ यह संगठित, आक्रामक और समन्वित दृष्टिकोण आने वाले समय में भारत की सुरक्षा संरचना को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

राशिफल

मेष राशि :- किसी आरोप से बचें, मानसिक पीड़ा तथा प्रतिष्ठा में आंच आने की स्थिति बनेगी।

वृष राशि :- सतर्कता से कार्य करें, पराक्रम तथा मनोबल उत्साहवर्धक होगा, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि :- कहीं विवादग्रस्त होने से बचें अन्यथा कार्य में निराशा तथा धन हानि होगी।

कर्क राशि :- मान-प्रतिष्ठा तथा प्रभुत्व वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य ही होगा, समय का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल रहेगा, रुके कार्य रूपरेखा बनाकर समय पर निपटा लें।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा-प्रभुत्व वृद्धि तथा आर्थिक कार्य योजना सफल होगी।

तुला राशि :- कहीं विवादग्रस्त होने से बचें, समय की अनुकूलता रहेगी, समय पर कार्य करें।

वृश्चिक राशि :- समय अनुकूल नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य अवरोध से बचकर चलें।

धनु राशि :- स्वभाव में क्रोध व अवेश से हानि होगी, समय स्थिति का लाभ अवश्य लें।

मकर राशि :- मानसिक उद्विघ्नता हानिप्रद रहेगी, समय स्थिति का ध्यान रखकर कार्य करें।

कुंभ राशि :- स्वभाव में क्रोध व आवेश हानिप्रद, समय को समझकर काम बना लें।

मीन राशि :- अर्थ व्यवस्था से सुख-समृद्धि के साधन जुटाकर कार्य बनाने का प्रयास करें।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट पशु विकास दिवस के माध्यम से सर्वोत्तम सेवा में अग्रणी

1.55 लाख ग्रामीणों पर उत्पन्न किया सकारात्मक प्रभाव

मुंबई । भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 14 फरवरी 2026 को अपनी प्रमुख पशु कल्याण एवं ग्रामीण आजीविका पहल, पशु विकास दिवस के आठवें संस्करण का सफल समापन किया। सर्वोत्तम सेवाः पशु, परिवार और प्रगति की थीम पर आधारित इस पहल ने पशुओं के स्वास्थ्य, परिवार के कल्याण एवं स्थायी प्रगति को बढ़ावा देकर समग्र ग्रामीण विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाया। 2014 में लॉन्च किया गया पशु विकास दिवस पशु मालिकों को निःशुल्क वेटेरीनेरी सेवाएं और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनकी स्वास्थ्यसेवा संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। पिछले सालों के दौरान यह पहल देश के सबसे बड़े एक दिवसीय पशु कल्याण प्रोग्रामों में से एक के रूप में उभरी है। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 1.55 लाख से अधिक जिंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है, जिसके तहत तकरीबन 1.4 लाख पशुओं का इलाज किया गया, 14,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग दिया गया, इससे 30,000 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। इस पहल का संचालन 16 राज्यों में 510 एसएमएफजी ग्रामशक्ति शाखाओं में किया गया, जो ग्रामीण भारत में कंपनी की गहरी पहुंच को दशार्ता है। मध्य प्रदेश में पशु विकास दिवस का आयोजन 41 लोकेशनों में किया गया, जिसके तहत तकरीबन 16000 पशुओं को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराई गईं और 2200 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। हर कैम्प में स्थानीय वेटेरीनेरी डॉक्टरों ने पशुओं की निःशुल्क जांच की, पशुओं के लिए मुफ्त दवाएं बांटी गईं, टीकाकरण किया और दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सलाह दी गई। इस पहल के सफल समापन पर बात करते हुए श्री रवि नारायणन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एक्जक्टिव ऑफिसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, सर्वोत्तम सेवा सर्वोच्च मानकों की सेवाएं उपलब्ध कराने के बारे में है- जहां सहानुभूति के साथ प्रभाव और इरादे का संयोजन गहरा प्रभाव उत्पन्न करता है। ग्रामीण भारत में पशुओं का स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और आर्थिक प्रगति एक दूसरे के साथ गहराई से जुड़े हैं। पशु विकास दिवस पशुओं की देखभाल, आजीविका के सशक्तीकरण और समुदायों के कल्याण को समर्थन देकर इस सिस्टम को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस पहल के जरिए हमारा उद्देश्य ऐसे स्थायी परिणामों का निर्माण करना है जो किसान के परिवार को सशक्त बनाएं और बुनियादी स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा दें। पिछले सालों के दौरान इस पहल को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिले हैं जो इसके प्रभाव और पैमाने की पुष्टि करते हैं। पीवीडी को 2015 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में, 2018 में बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड्स में, 2019 में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स मे तथा 2024 में एक ही दिन में सबसे बड़े राष्ट्रव्यापी पशु देखभाल शिविरों के आयोजन के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड्स युनियन में शामिल किया गया। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 2025 में एक उल्लेखनीय विश्वस्तरीय उपलब्धि हासिल की, जब पशु विकास दिवस ने देश भर की कई लोकेशनों में एक साथ सबसे बड़े कैटल वैलफेयर लैसन के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया- जिससे ग्रामीण कल्याण, पशुओं की देखभाल और बड़े पैमाने पर सामुदायिक विकास के लिए कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।

तमिलनाडु में 63 करोड़ का तूफान, रॉकिंग स्टार यश की टॉक्सिक ने रचा नया इतिहास

मुंबई। रॉकिंग स्टार यश की फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स की तमिलनाडु डिस्ट्रीब्यूशन डील 63 करोड़ एडवांस पर कमीशन बेसिस में लॉक हो चुकी है। हाल के सालों में यह इस टेरीटरी की सबसे बड़ी डील्स में से एक मानी जा रही है। फिल्म को लेकर जबरदस्त उम्मीदें पहले से ही थीं, और अब यह डील इसे राज्य की सबसे बड़ी आने वाली रिलीज में शुमार कर रहा है। पूरे तमिलनाडु में फिल्म को दमदार मल्टी-डिस्ट्रीब्यूटर स्ट्रैटेजी के साथ रिलीज किया जाएगा, जिससे हर सर्किट में मजबूत पकड़ बनाई जा सके। चेन्नई सिटी को थिंक स्टूडियोज के स्वरूप रेड्डी संभालेंगे, जबकि चेंगलपट्टू एरिया व्हाइट नाइट्स के ट्राइडेंट रवि के जिम्मे रहेंगे। कोयंबटूर, नॉर्थ और साउथ आर्कोट, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी सर्किट की कमान एस पिक्चर श्रीनिवासन के हाथ में होगी। वहीं मदुरै और रामनाड, त्रिची और तंजावुर, और सलेम जैसे अहम सर्किट 5 स्टार सेंथिल मैनेज करेंगे। यह सुनियोजित टेरिटोरियल मॉडल सिंगल स्क्रीन से लेकर मल्टीप्लेक्स चेन तक हर जगह मजबूत शोकेसिंग सुनिश्चित करेगा। डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स ने इस साझेदारी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि टॉक्सिक आज के समय की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में से एक है और तमिलनाडु में इसे लेकर जो प्यार और उत्साह दिख रहा है, वह अद्भुत है। सालों से यहां के दर्शकों ने यश को जिस अपनत्व और जोश के साथ अपनाया है, वह बेहद खास है। इतनी बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्म का हिस्सा बनना हमारे लिए सिर्फ बिज?स डील नहीं, बल्कि एक गर्व का पल है। ट्रेड एक्सपट्र्स मानते हैं कि इस डील के पीछे केजीएफ चैप्टर 2 की ऐतिहासिक सफलता और तमिलनाडु में यश की जबरदस्त लोकप्रियता बड़ी वजह है। यहां के दर्शकों ने उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और खास अंदाज को खुले दिल से अपनाया है। यह सीमा से परे गतिविधि आज भी थिएट्रिकल मार्केट में मजबूत तालमेल में बदल रहा है। 63 करोड़ की एडवांस डील और मजबूत टेरिटोरियल नेटवर्क के साथ टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स तमिलनाडु में ग्रैंड ओपनिंग के लिए पूरी तरह तैयार है।

नारियल के छिलके फेंकने की गलती न करें, जानें इसके फायदे

बेकार समझे जाने वाले नारियल के छिलके एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो डायबिटीज, हार्ट डिजीज और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत दे सकते हैं। इन छिलकों का पाउडर या चाय बनाकर सेवन करने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और गट हेल्थ भी सुधरती है। नारियल का सेवन हम सभी करते हैं और इसको अलग-अलग तरीके से सेवन करते हैं। कई बार हम नारियल पानी पीते हैं, तो कभी कच्चा नारियल खाते हैं। यह हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है। लेकिन, क्या आप ने कभी नारियल के छिलकों का कभी इस्तेमाल किया है। नारियल के छिलको को बेकार समझकर फेंक देती हैं। दरअसल, नारियल के छिलके न्यूट्रिशन्स का पावर हाउस होते हैं। अगर

आप इन्हें सही तरह से डाइट में शामिल करेंगी, तो इससे सेहत को कई फायदे मिल सकते हैं। आइए आपको बताते नारियल के छिलके कैसे फायदेमंद है।

नारियल के छिलकों के सेहत के लिए फायदे

– नारियल के छिलकों में एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और कई लाभदायक बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं। फेरुलिक और क्लोरोजेनिक एसिड जैसे पॉलीफेनॉल से भरपूर नारियल के छिलके ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है।

– हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि इनमें एंटीमाइक्रोबेयिल गुण होते हैं, जिसकी वजह से ये गट हेल्थ के लिए सेफ होता है।

– नारियल के छिलकों में डाइटरी फाइबर पाए जाते है। यह बाउल मूवमेंट में सुधार करते हैं और कब्ज को दूर करते हैं। इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो कि कई फलों से अधिक है।

– ये फ्री रेडिकल्स को बेअसर करके स्किन को हेल्दी बनाते हैं और एजिंग के साइन्स को कम करता है। – यह मेटाबॉलिज्म के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इनमें ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को रेगुलेट करने वाले गुण पाए जाते हैं। ये लिपिड प्रोफाइल को मैनेज करने में मदद कर सकते हैं।

सूखे नारियल के छिलकों को डाइट में कैसे इस्तेमाल करें? – सूखे नारियल को डाइट में हिस्सा बनाने के लिए आप छिलकों को ग्रांइड करके इनका पाउडर बनाएं। इस पाउडर को आप स्मूदीज या सब्जियों में डाल सकती हैं। इनकी चाय भी काफी फायदेमंद है। – आप चाहे तो इन छिलकों को अदरक के साथ उबालकर इसकी चाय बनाएं। इससे आपका शरीर डिटॉक्स होगा और वजन भी कम होगा। – इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों के कारण इन्हें स्किन पर स्क्रब की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बिना साइन बोर्ड 'चोरी-छुपे' काम, लागतझ्रएजेंसी का कोई खुलासा नहीं; घटिया सामग्री के आरोप

कृषि उपज मंडी सिमरिया में संदिग्ध निर्माण पर बवाल

विनोद दुबे जिला ब्यूरो

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। कृषि उपज मंडी सिमरिया परिसर में चल रहे निर्माण कार्य ने पारदर्शिता और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थल पर न तो परियोजना का अधिकृत साइन बोर्ड लगा है और न ही स्वीकृत लागत, निर्माण अवधि, कायार्देश संख्या या निर्माण एजेंसी/ठेकेदार का नाम प्रदर्शित है। शासकीय निर्माण कार्यों में यह जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य माना जाता है, ताकि आमजन निगरानी कर सकें। इसके अभाव में पूरे कामकाज पर संदेह गहराता जा रहा है।

स्थानीय लोगों और मंडी से जुड़े व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। बताया जा रहा है कि स्लैब में पतला लोहे का जाल बिछाया गया है, जबकि निर्धारित मोटाई और ग्रेड का उपयोग होना चाहिए। गिट्टी की जगह निम्न गुणवत्ता की सामग्री इस्तेमाल किए जाने की भी चर्चा है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं तो भवन की मजबूती और दीर्घकालिक टिकाऊपन पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे भविष्य में दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। सूत्रों के अनुसार कार्य तेजी से किया जा रहा है, लेकिन गुणवत्ता परीक्षण, माप-पुस्तिका (एम.बी.) की प्रविष्टि और तकनीकी स्वीकृतियों की स्थिति स्पष्ट नहीं है। आरोप यह भी हैं कि ठेकेदार और संबंधित विभाग की कथित मिलीभगत से शासन की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। पारदर्शिता के अभाव में यह आशंका और प्रबल हो रही है कि कहीं नियमों को दरकिनार कर भुगतान की प्रक्रिया आगे न बढ़ा दी जाए। किसानों और व्यापारियों का कहना है कि मंडी परिसर में बनने वाला ढांचा उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों से सीधे जुड़ा है। ऐसे में घटिया निर्माण न केवल सरकारी धन की बबार्दी है, बल्कि किसानों की सुरक्षा और सुविधा से भी समझौता है। उन्होंने मांग की है कि– निर्माण स्थल पर तत्काल अधिकृत साइन बोर्ड लगाया जाए। स्वीकृत लागत, कार्य अवधि और एजेंसी काविवरण सार्वजनिक किया जाए।उपयोग की जा रही सामग्री का स्वतंत्र लैब परीक्षण कराया जाए। तकनीकी दल द्वारा स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। अब निगाहें जिम्मेदार अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे मामले का संज्ञान लेकर पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं या फिर यह निर्माण कार्य यूं ही सवालों के घेरे में चलता रहेगा।

दाउदी बोहरा समाज की अनोखी पहल

सिवनी में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– सामाजिक सरोकार, राष्ट्रनिष्ठा और जनकल्याण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दाउदी बोहरा समाज द्वारा आज बोहरा मस्जिद, सिवनी में एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर समाज के धर्मगुरु सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन के मार्गदर्शन एवं फरमान के अनुरूप संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और संभावित बीमारियों की समय रहते पहचान कर उन्हें गंभीर होने से पहले नियंत्रित करना रहा। बदलते मौसम, ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई, ताकि पवित्र रमजान–उल–मुबारक के दौरान रोजा, नमाज और इबादत में किसी प्रकार की स्वास्थ्य बाधा न आए। शिविर में समाज के सभी वर्गों — महिलाओं, पुरुषों, बच्चों एवं बुजुर्गों — का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य स्वास्थ्य जांच सहित आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी प्रदान किया। जरूरतमंदों को आगे की जांच और उपचार संबंधी मार्गदर्शन भी दिया गया। समाजजनों ने इस सराहनीय पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए इसे जनहित में एक प्रेरणादायक कदम बताया। आयोजन की सफलता में समाज के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही।

सिवनीः 'संकल्प से समाधान' शिविर में उमड़े नागरिक, 248 आवेदनों का हुआ निराकरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शासन के निदेशार्नुसार जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा बुधवार, 25 फरवरी को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत शहर के उर्दू स्कूल प्रांगण में आयोजित इस शिविर में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं और प्रमाण पत्रों से संबंधित लाभ प्रदान किए गए।

एक ही छत के नीचे मिलीं सुविधाएँ- शिविर के दौरान नगर पालिका के विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर तत्परता से कार्रवाई की। दिनभर चले इस शिविर में कुल 248 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर की मुख्य उपलब्धिया- प्रमाण पत्रः कानूनी बाध्यता वाले 26 आय प्रमाण पत्र और 9 स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र जारी किए गए। राजस्व एवं ड्यूजः सर्वाधिक 162 हितग्राहियों को 'अदेय प्रमाण पत्र' (ठडउ) प्रदान किए गए। साथ ही अविवादित संपत्ति नामांतरण के 2 प्रकरणों का निराकरण हुआ। मूलभूत सुविधाएँः 12 नागरिकों को मांग पत्र अनुसार राशि जमा करने पर नवीन नल कनेक्शन की स्वीकृति दी गई। सामाजिक सुरक्षाः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के 2 प्रकरण और आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग से संबंधित 35 मामलों का निपटारा किया गया।

अधिकारियों की रही मौजूदगी- शिविर में नगर पालिका सिवनी के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने नागरिकों की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया पूर्ण की। नगर पालिका प्रशासन ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे और सुलभ तरीके से जनता तक पहुँचाना है।

नन्हे रोजेदार अजलान ने जीता सबका दिल

5 साल की उम्र में रखा पहला रोजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– पवित्र रमजान माह के दौरान जहां बड़े-बुजुर्ग और युवा पूरी श्रद्धा से रोजे रख रहे हैं, वहीं एक नन्हे बच्चे ने भी अपने हौसले और आस्था से सबका दिल जीत लिया। मात्र 5 साल के अजलान ने इस वर्ष पहला रोजा रखकर परिवार और आसपास के लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। अजलान सुबह सहरी के समय अपने माता-पिता के साथ उठे और पूरे उत्साह के साथ रोजे की शुरूआत की। दिनभर उन्होंने बिना किसी शिकायत के रोजा रखा और शाम को इफ्तार के समय पूरे परिवार के साथ रोजा खोला। इतनी छोटी उम्र में रोजा रखने की उनकी लगन और धैर्य देखकर परिवार के सदस्य गर्व से भर उठे। अजलान के पिता सादिक खान ने बताया कि बच्चे ने खुद रोजा रखने की इच्छा जताई थी। पहले तो परिवार ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसकी जिद और उत्साह को देखकर उन्हें उसकी हिम्मत बढ़ानी पड़ी। दिनभर अजलान ने नमाज, दुआ और अच्छे कामों में समय बिताया। मोहल्ले के लोगों ने भी अजलान की सराहना करते हुए उसे दुआएं दीं और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। कई लोगों ने कहा कि इतनी कम उम्र में धार्मिक आस्था और अनुशासन का यह उदाहरण अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा है। रमजान के इस पाक महीने में अजलान का यह कदम एक मिसाल बन गया है, जो यह दिखाता है कि सच्ची नीयत और हिम्मत हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती।

स्वागत, ज्ञापन और कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि2 के रूप में सहभागिता

अविनाश पांडे का सिवनी प्रवास

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी अविनाश पांडे का रविवार को संक्षिप्त सिवनी प्रवास हुआ। उनके सिवनी सर्किट हाउस आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी के अध्यक्ष नरेश मरावी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं मोहन सिंह चंदेल, अतुल मालू, विष्णु करोसिया, विनोद नामदेव एवं आजम खान दीवान ने पुष्पहार भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। प्रवास के दौरान पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन से जुड़े कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधियों ने श्री पांडे को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। श्री पांडे ने ज्ञापन पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। इसके उपरांत उन्होंने अपने व्यक्तिगत मित्र पवन मालू के निवास पर पहुंचकर सौजन्य भेंट की। रात्रि 9 बजे वे गांधी चौक, शुक्रवारी बाजार पहुंचे, जहां सुभद्रा कुमारी चौहान स्मृति मंच कलबोड़ी, जिला सिवनी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने साहित्य और सामाजिक सरोकारों पर विचार व्यक्त किए। विशेष उल्लेखनीय है कि पांडे राजनीतिक दायित्वों के साथ-साथ साहित्यिक गतिविधियों से भी जुड़े हैं। वे कवि प्रदीप फाउंडेशन नागपुर के अध्यक्ष के रूप में साहित्यिक आयोजनों को बढ़ावा दे रहे हैं।

संकल्प से समाधान शिविर में शामिल हुई कलेक्टर श्रीमती पटले

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले मंगलवार 24 फरवरी को ग्राम पंचायत भवन कान्हीवाड़ा में आयोजित संकल्प से समाधान अभियान के शिविर में शामिल हुईं। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, एसडीएम , डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य है कि हर पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव या अन्य कारणों से जो हितग्राही योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, उन्हें इस अभियान के माध्यम से जोड़ा जा रहा है ताकि शिविरों में आवेदन लेकर समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही निराकरण करना है, जिससे लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में नागपुर में किया शानदार प्रदर्शन

शिवम ठाकुर ने एनएमएमएस परीक्षा में सिवनी का नाम किया रोशन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनीः राष्ट्रीय स्तर की एनएमएमएस (नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप) परीक्षा में सिवनी के मेधावी छात्र शिवम ठाकुर ने अव्वल स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। नागपुर में आयोजित परीक्षा में शिवम ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी इस उपलब्धि के पीछे कठिन परिश्रम और शिक्षकों का मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। विशेष रूप से कुर्वेज स्कूल, नागपुर की शिक्षिका विद्या घोटेकर ने शिवम को विषयवार तैयारी, समय प्रबंधन और अभ्यास पर निरंतर मार्गदर्शन दिया। शिवम पहले भी अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। वे शतरंज में राज्य स्तर तक पहुंचकर पुणे में आयोजित प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं। पढ़ाई और खेल दोनों क्षेत्रों में संतुलन बनाते हुए उन्होंने यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। बता दे शिवम ठाकुर महाराज बाग, भैरोगंज निवासी जोगेश ठाकुर के पुत्र है। परिजनों का कहना है कि शिवम नियमित अध्ययन और अनुशासन को अपनी सफलता का मंत्र मानते हैं। शिवम की इस उपलब्धि से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली। शिक्षकों, मित्रों और परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भाजपा ने घोषित की सिवनी जिला पदाधिकारियों की नई टीम; मीना बिसेन ने सौंपी 31 नेताओं को जिम्मेदारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने प्रदेश नेतृत्व की सहमति से सिवनी जिले के नए पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल की अनुमति के बाद जारी इस सूची में संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए 31 प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं।

उपाध्यक्ष और मंत्रियों की लंबी सूची- जारी सूची के अनुसार, जिले में 8 उपाध्यक्ष बनाए गए हैं, जिनमें श्रीमती गोमती ठाकुर, डॉ. अभिजीत चौहान, आनंद शर्मा, अनिल गोल्हानी, संतोष नागपुरे, नवनीत ठाकुर, श्रीमती राजेश्वरी उईके और सुरेश सनोडिया शामिल हैं। संगठन के कार्यों के समन्वय के लिए 3 महामंत्रियों की नियुक्ति की गई है, जिनमें संतोष अग्रवाल, मुकेश बघेल और गजानंद पंचेश्वर को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, 8 सचिव (मंत्री) भी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें नीलकंठ तिवारी, दिलीप बघेल, पीयूष दुबे, श्रीमती उर्मिला उईके, मुनियां टांक, संदीप उईके, गोपाल पवने और श्रीमती आशा डहेरिया के नाम शामिल हैं।

विभागों का बँटवारा

संगठन के वित्तीय और प्रशासनिक कार्यों के लिए विशेष नियुक्तियां की गई हैंः कोषाध्यक्षः राजेन्द्र डहरवाल (सह-कोषाध्यक्षः समीर ठाकुर) कार्यालय मंत्रीः विरेन्द्र राजपूत (सह-कार्यालय मंत्रीः अलकेश रजक) मीडिया प्रभारीः श्रीकांत अग्रवाल (सह-मीडिया प्रभारीः अशोक बंदेवार) **आईटी और सोशल मीडिया पर जोर**- डिजिटल मोर्चे पर पार्टी को सक्रिय करने के लिए मनोज मर्दन त्रिवेदी को जिला संयोजक आई.टी. सेल और आशीष सोनी को जिला संयोजक सोशल मीडिया नियुक्त किया गया है। साथ ही, प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के लिए सचिन अवधिया को जिला प्रभारी बनाया गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस नई कार्यकारिणी में अनुभवी चेहरों के साथ-साथ युवाओं को भी पर्याप्त स्थान दिया गया है, ताकि जिले के हर क्षेत्र में पार्टी की पकड़ मजबूत बनी रहे। घोषणा के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने का तांता लगा हुआ है।

शिकायत निवारण शिविर का किया गया आयोजन

सिवनी। परिवहन आयुक्त के निदेर्शानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में आरटीओ कार्यालय में सीएम हेल्पलाइन का शिकायत निवारण शिविर मंगलवार 24 फरवरी को परिवहन कार्यालय, सिवनी में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में परिवहन कार्यालय, सिवनी तथा चेक प्वाइंट, खवासा के पदाधिकारी व कर्मचारी की उपस्थिति में कुल 8 लंबित शिकायतों का निराकरण किया गया। शिकायतकर्ता श्री ओम शंकर जांघेला शिकायत क्रमांक 36026302 की समस्?या का निदान कर शिकायत को संतुष्टि पूर्वक शिकायत को बंद कराया गया। इसके अतिरिक्त अन्य पांच शिकायतें जिनका क्रमांक 36947940, 36948708, 36948917, 36949043, 36953781 हैं एवं दो शिकायतें चेक पॉइन्ट, खवासा की जिनका क्रमांक 36948898, 36948676 निराकरण किया गया।

उप तहसील कार्यालय कान्हीवाड़ा का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सिवनी । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मंगलवार 24 फरवरी को उप तहसील कार्यालय कान्हीवाड़ा का निरीक्षण कर राजस्व कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए लंबित राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली।

न्यायालय तहसीलदार तहसील छपारा जिला सिवनी म0प्र0

कमांक/193/तह/2026

//इश्तहार//

छपारा दिनांक 20.02.2026
रा0प्र0क्रं–0538/अ–6/2025–26
ग्राम का नाम सुवाखेड़ा प.ह.नं 37

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक/आवेदिका श्री अनुपमा वर्मा पत्नि स्व0 श्री अजय वर्मा पुत्री स्व0 श्री बन बिहारी ब्यौहार निवासी मकान नंबर 4/4 फेस 1, 6 नंबर बस स्टॉप शिवाजी नगर, आर.एस.नगर तहसील हुजूर, जिला भोपाल म0प्र0 द्वारा प्रमिला ब्यौहार पत्नि स्व0 श्री वन बिहारी ब्यौहार निवासी फ्लैट कमांक 4/4 अंकुर काम्प्लेक्स फेस–1 शिवाजी नंगर 6 नं0 बस स्टॉप तहसील हुजुर भोपाल म0प्र0 द्वारा श्री अनुपमा वर्मा पत्नि स्व0 श्री अजय वर्मा पुत्री स्व0 श्री बन बिहारी ब्यौहार निवासी मकान नंबर 4/4 फेस 1, 6 नंबर बस स्टॉप शिवाजी नगर, आर.एस.नगर तहसील हुजूर, जिला भोपाल म0प्र0 के पक्ष में वसीयत निष्पादित किये जाने के उपरांत खसरे से नाम विलोपित किये जाने तथा वसीयत के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन न्यायालय में पेश किया गया है।

भूमि का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	ग्राम का नाम ह0नं0	खसरा नंबर	रकबा	खातेदार का नाम
01	सुआखेड़ा प0ह0नं0 37	288	3.34 हे0	प्रमिला बाई पत्नि वन बिहारी लाल पता सिवनी म0प्र0

उक्त प्रकरण की कार्यवाही इस न्यायालय में गतिशील है उक्त प्रकरण में आवेदित भूमि के संबंध में वसीयत निष्पादित किये जाने के उपरांत खसरे से नाम विलोपित किये जाने तथा वसीयत के आधार पर नामांतरण किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को जो आपत्ति हो वह इस न्यायालय में पेशी दिनांक 09.03.2026 के पूर्व इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने वैद्य प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होकर पेश कर सकता है उक्त नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
छपरा

जारी द्विनांक :– 20.02.2026
पेशी दिनांक :– 09.03.2026

भोपाल में रजक समाज का बड़ा प्रदर्शन

तीन जिलों में एससी, बाकी 52 में ओबीसी दर्जा, क्षेत्रीय बंधन हटाने की मांग तेज

भोपाल। संयुक्त मोर्चा रजक समाज के नेतृत्व में गुरुवार को राजधानी में आयोजित आंदोलन में बड़ी संख्या में समाज के लोग जुटे। सभा स्थल पर धरना-प्रदर्शन के दौरान पदाधिकारियों ने साफ कहा कि जब तक मुख्यमंत्री स्वयं आकर समाज की बात नहीं सुनेंगे, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने एहतियातन बैरिकेडिंग कर दी है। दोपहर बाद सीएम हाउस कूच की भी चेतावनी दी गई है।

एक प्रदेश में दो तरह का आरक्षण अन्याय : संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ संयोजक कैलाश नाहर ने कहा कि मध्यप्रदेश में रजक समाज को केवल तीन जिलों भोपाल, सीहोर और रायसेन में अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है, जबकि बाकी 52 जिलों में यही समाज ओबीसी में रखा गया है। उन्होंने कहा, ह्लहम लगातार राज्य शासन से मांग कर रहे हैं कि जिस तरह तीन जिलों में एससी का दर्जा है, उसी तरह पूरे प्रदेश में लागू किया जाए। एक ही समाज के साथ अलग-अलग जिलों में अलग आरक्षण व्यवस्था सामाजिक अन्याय है।

नाहर ने बताया कि समाज ने अपनी मांग को लेकर 400 से 500 किलोमीटर तक की पैदल यात्राएं कीं। प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री निवास भी पहुंचा, जहां ओएसडी से मुलाकात कर मांगें रखीं, लेकिन ठोस निर्णय अब तक नहीं हुआ। उन्होंने दो टूक कहा, ह्लइस बार बिना मुख्यमंत्री की अनुमति और ठोस आश्वासन के हम यहां से नहीं उठेंगे। जब तक मुख्यमंत्री यहां नहीं आएंगे, आंदोलन जारी रहेगा।

क्षेत्रीय बंधन हटे, 70-75 साल का संघर्ष : युवा प्रदेश संयोजक मोनू लक्ष्मण रजक ने कहा कि समाज की मुख्य मांग क्षेत्रीय बंधन हटाने की है। उन्होंने कहा, कहने को देश आजाद है, लेकिन रजक समाज आज भी बंधनों में जकड़ा हुआ महसूस करता है। हमारी श्रेणी अनुसूचित जाति में आती है, लेकिन सरकार ने क्षेत्रीय बंधन लगा रखा है। इसी बंधन को हटाना हमारी सबसे बड़ी मांग है। मोनू ने कहा कि यह संघर्ष आज का नहीं है, बल्कि करीब 70-75 वर्षों से समाज के वरिष्ठजन लड़ते आ रहे हैं और युवा पीढ़ी भी उसी लड़ाई को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया, लेकिन समाज को समय नहीं दिया गया। ह्लहम शांतिपूर्ण तरीके से यहां एकत्र हुए हैं। प्रशासन बाहर मौजूद है, बैरिकेड लगाए गए हैं। लेकिन अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन का स्वरूप बड़ा हो सकता है।

छिंदवाड़ा में पहाड़ मद की जमीन पर 10 मकान तोड़े

दस्तावेज नहीं दिखा पाए कब्जाधारी, जांच के बाद चलाया बुलडोजर

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के मोहरली चौक से लहगड़आ के बीच स्थित खैरी भोपाल इलाके में पहाड़ मद की सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण का बड़ा मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 9 में दबंग भू-माफियाओं ने प्रशासन को चुनौती देते हुए खसरा नंबर 150 की बेशकीमती जमीन पर पक्के मकानों का निर्माण शुरू कर दिया था। गुरुवार सुबह राजस्व अमले ने पुलिस बल और नगर निगम टीम के साथ पहुंचकर अतिक्रमण हटा दिया।

8 महीने से जारी था निर्माण : स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले आठ महीनों से रोड से सटी पहाड़ मद की जमीन पर बीम-कॉलम वाले पक्के मकानों का निर्माण चल रहा था। यहां पहले कुछ कच्चे मकान थे, लेकिन धीरे-धीरे करीब 10 पक्के मकान खड़े कर दिए गए। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, पहाड़ मद की जमीन पर किसी प्रकार का पट्टा जारी नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद आलीशान निर्माण कार्य जारी रहा। बताया जा रहा है कि इन मकानों को लाखों रुपए में बेचने की तैयारी भी की जा रही थी।

करोड़ों की जमीन पर कब्जे की तैयारी : यह जमीन मुख्य सड़क से लगी होने के कारण बेहद कीमती मानी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि संगठित तरीके से पूरी कॉलोनी बसाने की तैयारी थी। आरोप है कि भू-माफिया रैकेट के जरिए अवैध निर्माण कर जमीन का सौदा किया जा रहा था।

मप्र में होली से पहले बसों की हड़ताल

नई परिवहन नीति से मालिक-ऑपरेटर्स नाराज; घर जाना हो सकता है 5-7 गुना महंगा

भोपाल। मध्य प्रदेश के 55 जिलों में 2 मार्च यानी होली से ठीक 2 दिन पहले बसों की हड़ताल होगी। इसमें प्रदेश की 20 हजार बसें शामिल होंगी। मध्य प्रदेश बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के मुताबिक, प्रदेश में 12 हजार 780 परमिट वाली जबकि 7 हजार से अधिक कॉन्ट्रैक्ट वाली बसें हैं। 2 मार्च को सुबह 6 बजे से सभी बसों के पहिए थम जाएंगे। सबसे ज्यादा असर आम यात्रियों पर पड़ेगा, जो होली में अपने घर जाएंगे। बस संचालक सरकार की नई परिवहन नीति का विरोध कर रहे हैं। इस नीति के तहत सरकार 7 कंपनियों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत सभी बसों के टेंडर सौंप देगी। परेशानी की बात यह है कि अगर बसों की हड़ताल हुई तो किराये में 5 से 7 गुना वृद्धि होने का अनुमान है।

किराए का 10 प्रतिशत तक वसूलेंगी कंपनियां : मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के महामंत्री जयकुमार जैन ने दैनिक भास्कर को बताया कि सरकार नई नीति के तहत लोकल रूट के लिए बसों के परमिट देगी। किराया सात नई कंपनियां तय करेंगी जबकि ड्राइवर, स्टाफ और ईंधन की जिम्मेदारी बस ऑपरेटरों की ही रहेगी। किराए की राशि कंपनियां तय करेंगी और हमसे कमीशन लिया जाएगा। ये कंपनियां किराए का 10 प्रतिशत तक वसूलेंगी। उन्होंने बताया- फिलहाल प्रति किलोमीटर किराया 1.25 रुपए है। नई नीति के बाद किराया बढ़ाकर 1.75 रुपए करने का प्रस्ताव है। हमने सरकार को ज्ञापन सौंप दिया है। यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो प्रदर्शन किया जाएगा। हमें लोगों को परेशान करने का कोई शौक नहीं है, लेकिन हम सरकार की नीति के खिलाफ हैं।

होली के मौके पर घर जाना 5 से 7 गुना महंगा : अभी बस से भोपाल से होशंगाबाद जाने का किराया 100 रुपए प्रति व्यक्ति है। 2 मार्च को हड़ताल प्रस्तावित है, जिससे बसों का संचालन प्रभावित हो सकता है। इसी दरमियान होली के कारण ट्रेनों में भी भारी भीड़ रहने की संभावना है। ऐसी स्थिति में यात्रियों के पास ट्रैवल्स की गाड़ियां और कैब ही विकल्प के रूप में बचेंगी। भीड़ और मौके को देखते हुए इस रूट पर किराया 1500 से 2000 रुपए तक वसूला जा सकता है। एक कैब में चार लोग बैठ सकते हैं, ऐसे में प्रति व्यक्ति किराया 500 से 600 रुपये तक पड़ सकता है। यह सामान्य किराये से 5 से 7 गुना अधिक है। इसी तरह अन्य रूटों पर भी किराये में वृद्धि की संभावना है।

ज्योतिषाचार्य बोले-होली की तारीख को लेकर भ्रम न रखें

2 मार्च की रात होगा होलिका दहन, 4 को मनाएं रंगोत्सव

भोपाल। चंद्रग्रहण के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव को लेकर बनी असमंजस की स्थिति पर पंचांगकताओं और ज्योतिषियों ने विराम लगा दिया है। ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा बुधवार को आयोजित वेब संगोष्ठी में देशभर के पंचांगकताओं और ज्योतिषियों ने सर्वसम्मति से 2 मार्च की रात में होलिका दहन और 4 मार्च को रंगोत्सव मनाने का निर्णय लिया है।

2 मार्च की रात पूर्णिमा तिथि रहेगी प्रभावी : विद्वानों ने बताया कि 2 मार्च की रात में पूर्णिमा तिथि पूरी रात विद्यमान रहेगी। शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन का कर्मकाल रात्रिकालीन होता है और पूर्णिमा तिथि में किया गया दहन ही श्रेष्ठ माना गया है।

प्रतिपदा में होलिका दहन वर्जित : धर्म सिंधु और निर्णय सिंधु जैसे ग्रंथों का उल्लेख करते हुए विद्वानों ने स्पष्ट किया कि प्रतिपदा तिथि में होलिका दहन नहीं किया जाना चाहिए। चाहे भद्रा पुच्छकाल ही क्यों न हो, प्रतिपदा में किया गया दहन शास्त्र सम्मत नहीं माना जाता।

3 मार्च की रात ग्रहण और सूतक का प्रभाव : संगोष्ठी में यह भी बताया गया कि

3 मार्च की रात तक पूर्णिमा समाप्त होकर प्रतिपदा तिथि लग जाएगी। साथ ही उस दिन ग्रहण का सूतक प्रभावी रहेगा। शास्त्रों में ग्रहणकाल की रात को दूषित माना गया है, जिससे होलिका दहन अशुभ फल देने वाला माना जाता है।

धुलेंडी और चल समारोह होंगे प्रभावित : सामान्य परंपरा के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन धुलेंडी और रंगोत्सव मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष ग्रहण के कारण यह क्रम प्रभावित होगा। इसी कारण रंगोत्सव और चल समारोह अगले दिन नहीं किए जा सकेंगे।

4 मार्च को मनाया जाएगा होली उत्सव : विद्वानों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि होलिका दहन के बाद होने वाला होली उत्सव, धुलेंडी और चल समारोह 4 मार्च को ही आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि शास्त्रीय नियमों का पूर्ण पालन हो सके।

देशभर के पंचांगकताओं की सर्वसम्मति : संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया कि वेब संगोष्ठी में शामिल लगभग सभी पंचांगकताओं और विद्वानों के बीच गहन तर्क-वितर्क हुआ। इसके बाद यह तय किया गया कि 2 मार्च की रात 2 बजे के बाद भद्रा पुच्छकाल समाप्त होने पर होलिका दहन किया जाएगा।

लोगों से भ्रम में न पड़ने की अपील : पंडित विनोद गौतम ने कहा कि पर्व की तिथियों को लेकर किसी भी तरह के भ्रम की आवश्यकता नहीं है। शास्त्र सम्मत निर्णय के अनुसार 2 मार्च को होलिका दहन और 4 मार्च को होली उत्सव मनाया जाए, यही सभी के लिए उचित और मंगलकारी रहेगा।

बैतूल में पुलिया निर्माण से परेशान छात्रों का चक्काजाम

2 महीने से रास्ता बंद, डायवर्शन न होने से हो रही परेशानी, अफसरों ने दी समझाइश

बैतूल। बैतूल शहर के जेएच कॉलेज चौक पर निर्माणाधीन पुलिया को लेकर गुरुवार को छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिया निर्माण के कारण पिछले दो माह से कॉलेज की मुख्य सड़क बंद है, जिससे छात्रों, शिक्षकों और आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी असुविधा के चलते छात्रों ने दोपहर में कॉलेज चौक पर चक्काजाम कर दिया, जिससे लगभग आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा।

डायवर्शन न होने से परेशानी

छात्रों ने आरोप लगाया कि पुलिया निर्माण स्थल पर ठेकेदार और नगर पालिका द्वारा सुरक्षित डायवर्शन रोड की व्यवस्था नहीं की गई है। इस कारण परीक्षा देने और कॉलेज पहुंचने वाले छात्र-छात्राएं रोजाना देरी से पहुंच रहे हैं। उनका यह भी कहना था कि पुलिया निर्माण कार्य की गति बेहद धीमी है, जिससे असुविधा लगातार बढ़ती जा रही है। मौके पर पहुंचे टीआई को छात्रों ने एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कॉलेज चौक पर निर्माणाधीन पुलिया में अनियमितताएं हो रही हैं। छात्रों के अनुसार, यहां साधारण पाइप पुलिया पर्याप्त होती, लेकिन जानबूझकर बॉक्स पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे करोड़ों रुपये के शासकीय धन के दुरुपयोग की आशंका है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सांसद/विधायक निधि से स्थापित बस स्टॉप को बिना किसी वैधानिक आदेश या अनुमति के हटा दिया गया है। छात्रों ने इसे शासकीय संपत्ति के दुरुपयोग और आपराधिक कृत्य की श्रेणी में रखा। प्रदर्शन के दौरान पुलिया निर्माण करवा रहे ठेकेदार और छात्र नेताओं के बीच कहासुनी भी हुई, जिसे पुलिस ने बीच-बचाव कर शांत कराया। बाद में मौके पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने पास से डायवर्शन निकालकर यातायात सुचारू कराया और छात्रों को समझाइश देकर जाम खत्म करवाया। छात्रों ने मांग की है कि पुलिया निर्माण कार्य की तकनीकी और वित्तीय जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोर लेन रोड निर्माण में किसान हित सर्वोपरि: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अब एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर बनेगा रोड

किसानों के सुझावों को ध्यान में रखकर होगा निर्माण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का किसानों ने माना आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मेट्रो पॉलिटन सिटी इंदौर-उज्जैन भविष्य की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होगा। इस नाते इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोर लेन प्रोजेक्ट भी किसानों के हित में उनके सुझाव के अनुरूप एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर बनाया जायेगा। जिन किसानों की भूमि प्रभावित होगी, उन्हें उचित मुआवजा देने के लिये शासन-प्रशासन प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार शाम उनके भेंट करने आये इंदौर और उज्जैन जिलों के विभिन्न ग्रामों के किसान प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इंदौर और उज्जैन के किसान प्रतिनिधियों ने इंदौर उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर लेन मार्ग का निर्माण कार्य किसानों के हित में करने के निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के माध्यम से 2935.15 करोड़ रुपए की परियोजना के अंतर्गत क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 2 जिलों के 28 ग्रामों को नया स्वरूप और जनसुविधा देने के लिये फोर लेन मार्ग निर्मित किया जायेगा। उन्नत संरचना के अंतर्गत इंदौर-उज्जैन के मध्य 2 स्थानों वेस्टर्न रिंग रोड और उज्जैन बदनावर मार्ग क्रॉसिंग पर वृहद जंक्शन का प्रावधान है। परिवहन तेज और सुरक्षित रहे इसके लिये प्रत्येक टोल प्लाजा पर आवश्यक प्रबंध भी होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन के इस पुराने मार्ग से जानापाव आने-जाने के लिये भी परिवहन होता रहा है। पूर्व के वर्षों में मार्ग के संकुचित होते जाने से जो दुर्घटनाएं होती रही हैं, वह सिलसिला अब थम जायेगा। किसानों से विचार विमर्श के पश्चात इस ग्रीन फील्ड फोर लेन मार्ग परियोजना के कार्यों को गति दी जा रही है। गत 20 फरवरी को अनुबंध निष्पादन के पश्चात अन्य कार्यवाही प्रचलन में है। आगामी सिंहस्थ को देखते हुए यह परियोजना बड़ी जनसंख्या को लाभान्वित करेगी। प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को सशक्त करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।

बैतूल सीएमओ और सब इंजीनियर निलंबित

बैतूल। बैतूल नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) सतीश मटसेनिया और उपयंत्री जतिन पाल को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई किदवई वार्ड, गौठाना स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में चल रही लीगेसी वेस्ट डंप साइट की सफाई परियोजना में गड़बड़ी सामने आने के बाद की गई है। कलेक्टर द्वारा बनाई गई जांच समिति की रिपोर्ट में पाया गया कि काम तय शर्तों के अनुसार नहीं हुआ। इसके बावजूद ठेकेदार को नियमों के खिलाफ भुगतान कर दिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि परियोजना का काम निर्धारित मापदंडों के मुताबिक नहीं किया गया, जिससे आर्थिक और पर्यावरण से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मामले को गंभीर मानते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि में दोनों का मुख्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, संभाग नर्मदापुरम रहेगा। इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। जानकारी के अनुसार, ट्रेंचिंग ग्राउंड से कचरा हटाने के लिए करीब तीन करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद कचरे का सही तरीके से निष्पादन नहीं हो रहा था।

छिंदवाड़ा में होली से पहले मिलावट पर सख्ती

एक होटल के किचन में कॉकरोच और मकड़ी के जाले मिले, लाइसेंस निलंबित

छिंदवाड़ा। होली पर्व को देखते हुए जिले में चलाए जा रहे ह्लमिलावट से मुक्ति अभियानह्व के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। मुख्यालय छिंदवाड़ा में मानसरोवर कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित श्री गोपालजी रेस्टोरेंट के किचन में भारी गंदगी और खाद्य भंडारण स्थल में कॉकरोचों के गुच्छे मिलने पर होटल का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। फिलहाल होटल को ग्राहकों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

किचन और स्टोरेज में मिली गंभीर अनियमितताएं : खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोपेश मिश्रा ने टीम के साथ निरीक्षण किया। जांच के दौरान भोजन बनाने की जगह पर अत्यधिक गंदगी पाई गई। खाद्य पदार्थों की आलमारी में बड़ी मात्रा में कॉकरोच, भुनगे और मकड़ी के जाले मिले, जिनके बीच खाद्य सामग्री रखी हुई थी। जनस्वास्थ्य को खतरे को देखते हुए मौके पर ही खाद्य सामग्री के निर्माण और विक्रय पर रोक लगा दी गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुधारने के बाद ही लाइसेंस बहाल किया जाएगा।

इन खाद्य पदार्थों के लिए नमूने लिए गए : इसी रेस्टोरेंट से पनीर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, तुअर दाल, चावल और आटा के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। इसके अलावा, नोमान रेस्टोरेंट और गरबा स्वीट्स का भी निरीक्षण

किया गया।

अमरवाड़ा और पांढुर्णा में भी सैंपलिंग : दूसरी टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार घाघरे ने अमरवाड़ा के सींगोड़ी क्षेत्र में अपना होटल, चंद्रवंशी होटल और जैन किराना का निरीक्षण कर नमकीन और खोवा के नमूने लिए। वहीं, एक अन्य टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रूपराम सनोडिया ने पांढुर्णा क्षेत्र में स्थित पी/ल्लू ट१३ से रसगुल्ला और जूस के तीन नमूने जांच के लिए लिए।

रिपोर्ट भोपाल भेजी गई : सभी नमूनों को जांच के लिए भोपाल प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद यदि नमूने अमानक पाए जाते हैं तो संबंधित व्यापारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

निलंबित सचिव की बहाली के बदले मांग रहा था वीवो प्रो 70 मोबाइल

जिला पंचायत का भ्रष्टाचारी लेखपाल 5 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ जबलपुर लोकायुक्त टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। जिला पंचायत कार्यालय की स्थापना शाखा में पदस्थ लेखपाल सत्येंद्र सोनी को ?5000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी लेखपाल एक निलंबित ग्राम सचिव की बहाली के बदले 50,000 मूल्य का वीवो प्रो 70 मोबाइल फोन मांग रहा था।

फरियादी ग्राम सचिव आशीष कुमार दुबे ने बताया कि वर्ष 2024 में ग्राम पंचायत बसाड़ी में पदस्थ रहते हुए उन पर लोकायुक्त की कार्रवाई हुई थी, जिसमें उन्हें सह-आरोपी बनाया गया था। इसके छह महीने बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। अपनी बहाली के लिए आशीष दुबे ने माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। न्यायालय ने 30 दिनों के भीतर मामले का निराकरण करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद, एक साल बीत जाने पर भी लेखपाल सत्येंद्र सोनी ने उनकी फाइल आगे नहीं बढ़ाई और मोबाइल फोन की मांग पर अड़ा रहा। लोकायुक्त इंस्पेक्टर बृजमोहन के अनुसार, आरोपी लेखपाल शुरूआत में मोबाइल फोन की मांग कर रहा था। ग्राम सचिव द्वारा असमर्थता जताने और अनुरोध करने के बाद, आरोपी किस्तों में पैसे लेने पर सहमत हो गया। 23 फरवरी को शिकायत मिलने पर लोकायुक्त ने जाल बिछाया। गुरुवार को लेखपाल सत्येंद्र सोनी को 5000 की पहली किस्त लेते हुए लोकायुक्त की सात सदस्यीय टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। कटनी जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ यह नौ दिनों के भीतर लोकायुक्त की दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले, 17 फरवरी को जल संसाधन विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री (एए) व्ही.ए. सिद्दीकी को ?20,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। वह मामला सेवानिवृत्त चौकीदार कुंवर लाल रजक और नौ अन्य कर्मचारियों के ?8 लाख के बकाया एरियर्स के भुगतान के बदले 50,000 की रिश्वत मांगने से संबंधित था।

कलेक्टर रीवा के आदेशों की उड़ाई जा रही धज्जियां

महिला सचिव के स्थान पर चचिया ससुर कर रहा ग्राम पंचायत बसरेही का काम

अधिकारियों के मिलीभगत से महिला सचिव रीवा में रह कर लेती है वेतन

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा। जिले के जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पदस्थ महिला सचिवों की मनमानी देखने को मिलती रहती है जहा पर देखा जा सकता है कि महिला सचिव के स्थान पर उनके पति या रिश्तेदार ग्राम पंचायत का हर काम करते है यहा तक की ग्राम पंचायत व जनपद पंचायत की बैठक में भी सक्रिय भूमिका निभाते है और उनके नाम का फर्जी हस्ताक्षर भी करते है। जिसकी जानकारी जिला पंचायत सीईओ से लेकर जनपद सीईओ तक को है फिर भी उनके ऊपर कोई कार्यवाही करने के बजाय उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। जो खुलेआम जिला कलेक्टर के आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। इसी तरह का मामला जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बसरेही से सामने आया है जहा पर पदस्थ सचिव नेहा सिंह के स्थान पर उनके चचिया ससुर वीर बहादुर सिंह निवासी टढ़हर छदहना द्वारा पूरे ग्राम पंचायत का काम एवं बैठक कर हस्ताक्षर किया जाता है। जबकि जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी किया गया है कि पदस्थ कर्मचारियों का कार्य उनके पति या रिश्तेदार नही कर सकते है इसके बावजूद भी जनपद पंचायत जवा सीईओ के सह पर वीर बहादुर सिंह के द्वारा ग्राम पंचायत बसरेही की बैठक से लेकर जनपद पंचायत जवा की बैठक एवं सभी कार्य किया जाता है जो जिला कलेक्टर के आदेशों की अवहेलना है। वही ग्राम पंचायत बसरेही के ग्रामीण सचिव के निष्क्रिय कार्यो एवं उनके तानाशाही रवैये से परेशान है। सूत्रों से मिली जानकारी है कि ग्राम पंचायत बसरेही अंतर्गत जो भी कार्य किये गए है वो सभी गुणवत्ताविहीन है इसके साथ ग्राम पंचायत अंतर्गत महारानी दाई तक की सीसी मंजूर हुई है जिसका पैसा निकल गया लेकिन निर्माण कार्य नही हुआ, इसी तरह से कई निर्माण कार्य चालू दिखाए जा रहे है लेकिन धरातल में नजर नही आ रहा है। जिसकी जांच की जाए तो ग्राम पंचायत से बड़ा भ्रस्टाचार सामने आ सकता है।

इस बार ओटीपी नहीं चेहरे से होगा सत्यापन

चना और मसूर खरीदी के लिये किसान भाई 16 मार्च तक करा सकेंगे पंजीयन

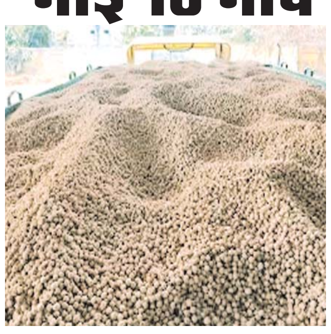

कटनी। भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में ई-उपार्जन पोर्टल पर चना एवं मसूर के पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। किसान भाई 16 मार्च तक अपना पंजीयन करा सकेंगे। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में गेहूँ पंजीयन के लिए निर्धारित 55 पंजीयन केन्द्रों में ही चना एवं मसूर के उपार्जन हेतु भी पंजीयन किया जाएगा।

इस वर्ष चेहरे से होगा किसान का सत्यापन- चना एवं मसूर के पंजीयन के दौरान इस वर्ष खरीदी केन्द्रों द्वारा उपज खरीदने से पहले कृषकों की वास्तविक पहचान के लिए आधार का सत्यापन सक्षम पी.ओ.एस. मशीन या मोबाईल ऐप के माध्यम से चेहरे का प्रमाणीकरण कर वास्तविक किसान का सत्यापन किया जावेगा, क्योकि विगत वर्षों की भांति ओ.टी.पी मान्य नहीं होगा।

किसान की अनुपस्थिति में 3 लोग हो सकेंगे अधिकृत

यदि कृषक खरीदी केन्द्र पर स्वयं उपस्थित न हो पाये तो अपनी फसल के विक्रय हेतु पंजीयन के समय 3 अधिकृत व्यक्तियों का नाम और आधार नंबर दे सकता है। जिनके द्वारा पंजीकृत किसान की फसल खरीदी केन्द्र पर लाई जा कर विक्रय किया जा सकेगा। कृषक द्वारा अधिकृत किये गये व्यक्तियों का भी आधार-सक्षम पी.ओ.एस. मशीन या मोबाईल ऐप के माध्यम से चेहरे का प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। कोई भी व्यक्ति अधिकतम तीन कृषकों के अधिकृत व्यक्ति के तौर पर काम कर सकता है तथा उपज का भुगतान पंजीकृत कृषक के बैंक खाते में किया जाएगा।

बरहदी गांव के विकास की बारिश ने खोली पोल, स्कूली बच्चे परीक्षा देने से हुए वंचित

दैनिक रेवांचल टाइम्स गुढ़ । जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पतौता बरहदी में 23 फरवरी 2026 को हुई हल्की सी बारिश ने विकास की पोल खोल दी है जहाँ पर स्कूली बच्चे ऑटो से परीक्षा देने जा रहे थे, लेकिन थोड़ी सी बारिश के वजह से इतना कीचड़ हुआ कि ऑटो फस गई और बच्चे परीक्षा देने नहीं जा पाए। यह घटना दशार्ती है कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी है और शासन-प्रशासन की लापरवाही के कारण स्कूली बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।कई बार खबरों का प्रकाशन भी हुआ लेकिन स्थानीय गुढ़ विधायक और प्रशासन देख कर अनदेखा कर रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि सांसद विधायक को 5 वर्ष में एक बार इस गांव की याद आती है बाकी समय भूल जाते है कि इस गांव में भी लोग रहते है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की हैं कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए ताकि स्कूली बच्चों, बुजुर्ग एवं आम लोग मुख्य मार्ग तक पहुच सके। और स्कूली बच्चे अपनी पढ़ाई और परीक्षा से बंचित न हो।

15 दिन में पानी नहीं तो अनिश्चितकालीन हड़ताल

रायपुर कर्चुलियान में नहर की मांग को लेकर ग्रामीणों का अल्टीमेटम

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। रायपुर कर्चुलियान ब्लाक के ग्रामीणों ने क्योटी मुख्य नहर को जल्द से जल्द चालू करने की मांग को लेकर अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर 15 दिन में नहर में पानी नहीं छोड़ा गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठेंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि नहर का निर्माण लगभग 12-15 वर्षो से चालू है, लेकिन अभी तक रायपुर कर्चुलियान तक पानी नहीं पहुंचा है। इससे क्षेत्र में सूखा जैसी स्थिति बनी हुई है और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी तहसील रायपुर कर्चुलियान को पत्र लिखकर नहर को जल्द से जल्द चालू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। उनकी प्रमुख मांगो में- क्योटी मुख्य नहर को रायपुर कर्चु तक सुचारू रूप से चालू किया जाए, ताकि क्षेत्र में सूखा जैसी स्थिति से राहत मिल सके। **ग्रामीण देवेन्द्र सिंह, मोनी तिवारी** का कहना है कि हम पिछले कई वर्षों से नहर के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन हमारी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। अगर हमारी मांग नहीं मानी गई तो हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठेंगे और आंदोलन करेंगे।

डिंडोरी में FMD

कोल्ड चेन टूटी, भरोसा भी टूटा

वैक्सीन खुले में, लाखों की दवा बेअसर होने की कगार पर

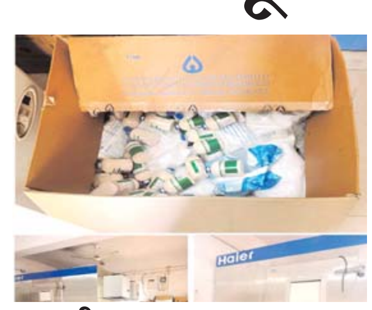

दैनिक रेवांचल टाईम्स, डिण्डौरी। पशुओं को जानलेवा बीमारी खुरपका-मुंहपका (FMD) से बचाने के लिए भेजी गई वैक्सीन को लेकर पशुपालन विभाग डिंडोरी में गंभीर लापरवाही सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक FMD वैक्सीन को नियमों के विपरीत खुले में रख दिया गया, जबकि यह वैक्सीन केवल 2त्त्व से 8त्त्व तापमान में ही सुरक्षित मानी जाती है। सूत्रों ने बताया कि जब से वैक्सीन डिंडोरी पहुंची है, तब से उसे कोल्ड स्टोरेज में नहीं रखा गया। विभाग में वैक्सीन व दवाइयों के लिए मौजूद फ्रिज काफी समय से खराब पड़े हैं, लेकिन उन्हें सुधारने की कोई पहल नहीं की गई। चर्चा यह भी है कि फ्रिज सुधारने के लिए पैसे नहीं हैं, और इसी वजह से करोड़ों की सरकारी वैक्सीन भगवान भरोसे छोड़ दी गई है।

कोल्ड चेन टूटी तो वैक्सीन बेकार- विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन के निर्माण से लेकर पशु को लगने तक कोल्ड चेन बनाए रखना अनिवार्य होता है। यदि यह श्रृंखला टूटती है, तो वैक्सीन पूरी तरह बेअसर हो सकती है। ऐसे में सवाल यह है कि अगर खराब वैक्सीन पशुओं को लगा दी गई, तो बीमारी फैलने की आशंका कौन रोकेगा, पशुपालकों को हुए नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा, सरकार को लाखों रुपये की क्षति का जवाब कौन देगा।

उपसंचालक की मनमानी, सरकार को सीधी चुनौती

वही जब इस मामले की जानकारी प्राप्त करने लिए प्रभारी उपसंचालक से बात की गई तो उन्होंने बताया वैक्सीन कई प्रकार की होती है कुछ को फ्रिज में रखना होता है और कुछ को नहीं लेकिन ऋद्रऊवैक्सीन के सवालों पर बचते नजर आए और घुमा फिरा कर सवालों का जवाब दिया क्योंकि ऋद्रऊवैक्सीन को फ्रिज में ही रखना होता है नहीं तो वो बेअसर हो जाती है उपसंचालक की हठधर्मिता और लापरवाही से न सिर्फ विभाग की छवि खराब हो रही है, बल्कि मध्य प्रदेश सरकार को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। जबकि पशुपालन विभाग राज्य सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है। पशुओं में फैलने वाले रोगों की रोकथाम और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. मोहन यादव की सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, समय-समय पर सभी जिलों में दवाइयां और वैक्सीन भेजी जा रही है लेकिन जिम्मेदार प्रभारी उपसंचालक को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। डिंडोरी में जो हो रहा है, वह सिर्फ लापरवाही नहीं बल्कि यह सरकार को ठेंगा दिखाने की खुली हिम्मत है। न नियमों की परवाह, न पशुओं की चिंता, न पशुपालकों की परवाह।

प्रभारी उपसंचालक, सरकार को दिखा रहे है ठेंगा ?

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज है कि डिंडोरी में उपसंचालक सरकार को ठेंगा दिखाने पर उतारू हैं। नियम, दिशा-निर्देश और पशुपालकों की चिंता—सबको ताक पर रखकर विभागीय मनमानी की जा रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि इस लापरवाही की जांच कब होगी ।जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी। और अगर कल पशुओं में ऋद्रऊ फैला, तो जिम्मेदार कौन होगा।

इनका कहना है

वैक्सीन तो कई प्रकार की होती है सारी वैक्सीन फ्रिज में नहीं रखी जाती कुछ को फ्रिज में रखते है कुछ को बाहर ही रखते हैं।

प्रभारी उपसंचालक डॉ. एच. पी. शुक्ला, जिला - डिंडोरी

स्कूल में घुसा लोडर पिकअप बाल बाल बचे छात्र

सैकड़ों बच्चों की जान पर बनी बात पीछे के रास्ते से निकाल कर किया सुरक्षित

स्कूल संचालक की खुली पोल क्षतिग्रस्त भवन में संचालित हो रहा था विद्यालय

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मामला जिले के स्लीमनाबाद का है जहां विगत दिवस गुरुवार को सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में एक लोडर पिकअप वाहन स्कूल भवन की दीवार को क्षतिग्रस्त करते हुए स्कूल के अंदर जा घुसा हड़कंप तो तब मच गया जब दोपहर के 1 बजे लोडर पिकअप क्रमांक mp 20 जेड एच 5443 रामलीला मंच के बगल में बने सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल को ध्वस्त करते हुए दीवार को फाड़ते हुए अन्दर घुस गया आपको बता दें कि स्कूल के अंदर सैकड़ों की संख्या में छोटे छोटे छात्र थे उनके साथ शिक्षक भी मौजूद थे गनीमत थी कि हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई आनन फानन शिक्षकों की सूझबूझ से छात्रों को पीछे के रास्ते से सुरक्षित बाहर निकाला गया सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे पर लेकर वाहन चालक के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया है थाना प्रभारी सुदेश समन ने बताया कि लोडर पिकअप चालक मौके से फरार हो गया है हादसे से किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

स्कूल संचालक की लापरवाही आई सामने- हाल ही में जिले के विजराघवगढ़ में जर्जर स्कूल में संचालित हो रहे स्कूल की दीवार ढहने से एक छात्र की मौत भी हो गई थी लेकिन इतने बड़े हादसे के बाद भी जिला प्रशासन ने स्कूलों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जिले में आज भी अनगिनत स्कूल जर्जर हालत में है जो किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहे है स्लीमनाबाद मुख्य बाजार में रामलीला रंग मंच के बगल में बने सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल जो कि वर्षों से जर्जर हालत में था पर उस स्कूल पर प्रशासन की नजर नहीं गई परिणाम ये हुआ कि एक पिकअप लोडर वाहन के धक्का लगते ही भवन धराशाई हो गया और वाहन स्कूल के अंदर घुस गया आपको बता दें कि तस्वीर में साफ साफ दिखाई दे रहा है कि स्कूल कैसे संचालित हो रहा था किस जर्जर स्थिति में है प्रशासन का इस ओर कदम न उठाना शोचनीय विषय है।

बिना सूचना अनुपस्थित बीएमओ, एएनएम और सचिव को नोटिस जारी

कलेक्टर श्री तिवारी ने बहोरीबंद अस्पताल एवं शासकीय कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने गुरूवार को विकासखंड बहोरीबंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अनुपस्थित मिले बीएमओ, आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया की एएनएम और पंचायत सचिव पटोरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इस दौरान एसडीएम बहोरीबंद श्री राकेश कुमार चौरसिया मौजूद रहे। औचक भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया व पटोरी सहित तहसील कार्यालय बाकल एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र बाकल का औचक निरीक्षण किया और बिना पूर्व सूचना के कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाये गये बीएमओ, आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया की एएनएम और पंचायत सचिव पटोरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। **बहोरीबंद बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी-** सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को ड्यूटी डॉक्टर चार्ट नहीं मिला। इस दौरान ड्यूटी डॉक्टर डॉ. शैफाली उइके, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद में पदस्थ डॉ. रितेश दुबे एवं बीएमओ अनुपस्थित पाये गये। जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुये कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद के बीएमओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश सीएमएचओ को दिये। वहीं पोषण पुनर्वास केन्द्र में 10 बच्चों के लक्ष्य के विपरीत मात्र 6 बच्चे ही पाये गये। कलेक्टर श्री तिवारी ने महिला जनरल वार्ड, प्रसूतिका वार्ड, हाई रिक्स महिलाओं की जानकारी, ओपीडी वार्ड, पैथेलॉजी वार्ड का भी निरीक्षण किया एवं साफ-सफाई नहीं पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने हेतु मौके से ही दूरभाष पर सीएमएचओं डॉ. राज सिंह ठाकुर को स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के लिए,अधिक मुस्तैदी से मैदानी अमले को सक्रिय करने की हिदायत दी। **एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी-** भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी आयुष्मान आरोग्य केन्द्र पथराडी पिपरिया पहुंचे परंतु, आरोग्य केन्द्र दोपहर 12 बजे तक बंद पाया गया। जिस पर कलेक्टर श्री तिवारी ने आरोग्य केन्द्र में पदस्थ एएनएम को नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार कलेक्टर श्री तिवारी ने आयुष्मान आरोग्य केन्द्र पटोरी का भी निरीक्षण किया। यहां एएनएम एवं रोजगार सहायक उपस्थित मिलीं। कलेक्टर श्री तिवारी ने गर्भवती एवं गर्भवती माताओं के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के कार्यों की समीक्षा करते हुये शेष 423 आयुष्मान कार्ड 15 दिवस के अंदर बनाने के निर्देश दिये।

पानी की समस्या से ग्रामीणों ने कराया अवगत- निरीक्षण के दौरान ग्राम पटोरी के ग्रामवासियों द्वारा कलेक्टर श्री तिवारी को पानी की समस्या से अवगत कराया गया। जिस पर कलेक्टर श्री तिवारी ने गांव के पुराने हैण्डपम्पों में शीघ्र सुधार करने एवं ट्यूब बेल खनन हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायत बहोरीबंद के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सचिव पटोरी अनुपस्थित पाये जाने पर कलेक्टर श्री तिवारी ने कारण बताओं नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री तिवारी ने प्राथमिक शाला पटोरी की पुरानी जीर्ण-शीर्ण बिल्डिंग को तत्काल गिराये जाने के निर्देश खण्ड शिक्षा अधिकारी बहोरीबंद को दिये तथा दो कमरे बनाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

लेखा प्रशिक्षण सत्र 1 अप्रैल से शुरू

कटनी । जबलपुर संभाग के समस्त शासकीय कार्यालयों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण का नवीन सत्र आगामी 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहा है। यह प्रशिक्षण सत्र 1 अप्रैल से शुरू होकर 30 जून तक चलेगा। संभाग के समस्त कार्यालय प्रमुखों के अधीन कार्यरत नियमित लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिन्होंने परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर ली हो ।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड बॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers
Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

ग्रहण, भद्रा और आस्था के बीच इस वर्ष की होली, हैप्पी से ज्यादा केयरफुल रहने का संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। इस वर्ष की होली केवल रंगों और उल्लास का पर्व नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय शक्तियों के विशेष संयोग का साक्षी बनने जा रही है। एक ओर भक्त प्राद की अटूट आस्था की विजय का प्रतीक यह पर्व है, तो दूसरी ओर पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र, सिंह राशि में खग्रास चंद्र ग्रहण और भूलोक पर भद्रा का वास होली के उत्सव को विशेष सावधानी के साथ मनाने का संकेत दे रहा है। शास्त्रों के अनुसार भद्रा के समय होलिका दहन करना शुभ नहीं माना जाता। भद्रा यह सिखाती है कि हर कार्य का एक उचित समय होता है और धैर्य रखने से ही शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इस बार हैप्पी नहीं, केयरफुल होली

खग्रास चंद्र ग्रहण का प्रभाव सीधे तौर पर मन, उत्साह और आंतरिक ऊर्जा पर पड़ता है। चंद्रमा मन का कारक ग्रह माना गया है और जब वह राहु-केतु के प्रभाव में होता है, तब भावनात्मक संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे समय में किया गया दान, जप और साधना सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक फलदायी मानी जाती है। यह समय बाहरी ही नहीं, बल्कि भीतरी नकारात्मकता को त्यागने का भी अवसर देता है। यही कारण है कि इस वर्ष होली को केवल हैप्पी होली नहीं, बल्कि केयरफुल होली कहा जा रहा है।

2 मार्च को ही होलिका दहन का श्रेष्ठ समय

2 मार्च को शाम 05:56 से पूरी रात भद्रा प्रभावी रहेगी। भद्रा में सामान्यतः होलिका दहन वर्जित होता है, लेकिन यदि भद्रा पूरी रात रहे, तो भद्रा मुख को त्यागकर प्रदोष काल में दहन का विधान शास्त्रों में बताया गया है। इस दृष्टि से होलिका दहन का सर्वश्रेष्ठ समय प्रदोष काल, अर्थात शाम 06:36 से रात्रि 9 बजे तक माना गया है। ग्रहण और भद्रा के दोषों से बचते हुए इसी समय में किया गया पूजन और दहन शुभ फल प्रदान करेगा।

फाल्गुन पूर्णिमा, ग्रहण और सूतक का संयोग

फाल्गुन पूर्णिमा का प्रारंभ 2 मार्च 2026 को शाम 05:56 बजे होगा और 3 मार्च को शाम 05:08 बजे पूर्णिमा समाप्त हो जाएगी। 3 मार्च को दोपहर 03:20 से शाम 06:47 तक पूर्ण चंद्र ग्रहण रहेगा, जिसका सूतक काल सुबह से ही आरंभ हो जाएगा। शास्त्रों में ग्रहण काल और सूतक के समय अग्नि प्रज्वलित करना पूर्णतः वर्जित बताया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जिस दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा व्याप्त हो, उसी दिन होलिका दहन श्रेष्ठ माना जाता है। चूंकि 3 मार्च को सूर्यास्त से पहले ही पूर्णिमा समाप्त हो रही है और ग्रहण भी है, इसलिए 2 मार्च को ही होलिका दहन करना शास्त्रसम्मत और श्रेष्ठ रहेगा।

आस्था से मिटते हैं ग्रहण और भद्रा के साये

जिस प्रकार भक्त प्राद की अडिग भक्ति ने दहकती अग्नि को भी शीतल कर दिया था, उसी प्रकार मन का दृढ़ विश्वास जीवन के हर ग्रहण और हर भद्रा के साये को मिटाने की शक्ति रखता है। इस होली केवल बाहरी बुराइयों को ही नहीं, बल्कि मन के भीतर बसे संशयों, भय और नकारात्मक विचारों को भी होलिका की अग्नि में समर्पित करने का संदेश है। श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई प्रार्थना हर बाधा को भस्म कर देती है। होलिका की पवित्र अग्नि में अपनी मनोकामना अनुसार आहुति देते हुए ॐ होलिकायै नमः का जाप करें और सुख, शांति व समृद्धि की कामना करें।

आबकारी विभाग की बदइंतजामी से राजस्व संकट

20 फीसदी अधिक कमाई का लक्ष्य छोड़िए, जिले के ठेकेदार ड्यूटी जमा करने में फेल, शो-कॉज नोटिस जारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले का आबकारी विभाग अपने ही तय किए गए राजस्व लक्ष्यों को हासिल करने में बुरी तरह पिछड़ता नजर आ रहा है। 20 फीसदी अधिक राजस्व जुटाने के दावों के बीच हकीकत यह है कि जिले के अधिकांश आबकारी ठेकेदारों ने अब तक न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी ही जमा नहीं की। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि जिले का आबकारी प्रबंधन प्रदेश भर में फिसड्डी साबित होने की कगार पर पहुंच गया है।

इन ठेकेदारों को थमाए गए शो-कॉज नोटिस

निर्धारित अवधि के बावजूद ड्यूटी शुल्क जमा न कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी गई है। सहायक आयुक्त आबकारी ने व्हीकल मोड़ तिराहा समूह के ठेकेदार गगनदीप नैयर, पाटन समूह के घनश्याम साहू, बुढ़ागर समूह के संतोष कुमार जायसवाल और रसल चौक समूह की जेके एसोसिएट्स की पार्टनर सोनिया शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। लगातार सामने आ रही इस स्थिति ने आबकारी विभाग के कामकाज और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जल्द ही ठेकेदारों से ड्यूटी की वसूली नहीं हो पाई, तो जिले के राजस्व लक्ष्य पर बड़ा असर पड़ना तय माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 के लिए निष्पादित कम्पोजिट मदिरा समूहों के ठेकेदारों द्वारा निर्धारित समय सीमा में न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि जमा नहीं की गई। इसके बाद विभाग ने पहले थोक भाव में नोटिस बांटे, लेकिन तय अवधि बीत जाने के बावजूद भी स्थिति नहीं सुधरी। नतीजतन अब कारण बताओ नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक ई-आबकारी पोर्टल के होम पेज पर 23 फरवरी को ही इन ठेकेदारों को डिफाल्टर सूची में शामिल कर दिया गया था। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि जिले में स्थित कम्पोजिट मदिरा समूहों द्वारा माह फरवरी 2026 के प्रथम पक्ष की सम्पूर्ण न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि समय पर जमा नहीं की गई। इसी कारण ई-आबकारी पोर्टल पर संबंधित दुकानों को डिफाल्टर घोषित किया गया है।

स्पष्टीकरण के साथ उपस्थित होने के निर्देश

आबकारी विभाग ने डिफाल्टर ठेकेदारों को निर्देश दिए हैं कि वे बुधवार तक अपने लिखित स्पष्टीकरण के साथ कार्यालय में उपस्थित हों। नोटिस में सवाल किया गया है कि निर्धारित समयावधि में न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी जमा न करने की स्थिति में क्यों न उन्हें प्रदत्त अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी जाए। विभाग ने साफ कर दिया है कि यदि समय पर जवाब नहीं दिया गया, तो आबंटित समूह का लाइसेंस निरस्त कर पुनर्निष्पादन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों की होगी। इतना ही नहीं, शासकीय राजस्व को होने वाली हानि की भरपाई भी ठेकेदारों से मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता के तहत बकाया की तरह वसूली जाएगी। इससे ठेकेदारों पर आर्थिक संकट और कानूनी शिकंजा दोनों कसने की तैयारी है।

नेशनल हाईवे 30 किनारे मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश, पनागर में सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र अंतर्गत बम्हनोदा चौराहे के समीप नेशनल हाईवे 30 के किनारे बुधवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे शव पड़े होने की खबर मिलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय राहगीरों ने हाईवे किनारे एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। जब लोग पास पहुंचे तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद तत्काल इसकी सूचना पनागर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए पंचनामा कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक जांच-पड़ताल प्रारंभ कर दी है। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। शव के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज भी बरामद नहीं हुए हैं, जिससे उसकी शिनाख्त में फिलहाल कठिनाई आ रही है। पनागर पुलिस आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों से पूछताछ कर रही है, ताकि मृतक की

पहचान की जा सके और यह पता लगाया जा सके कि उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है, जिसमें दुर्घटना, बीमारी अथवा किसी अन्य कारण से मौत की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। घटना के बाद से क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं व्याप्त हैं। स्थानीय लोग भी मामले को लेकर आशंकाएं जता रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति की पहचान कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है और मामले की सच्चाई जल्द सामने लाने का दावा किया जा रहा है।

गारमेंट क्लस्टर में हस्त निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का आयोजन 27 से

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के इंदौर स्थित एमएसएमई विकास कार्यालय द्वारा जबलपुर में 27 एवं 28 फरवरी को पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिये दो दिवसीय प्रदर्शनी सह-व्यापार मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला गोहलपुर स्थित जबलपुर गारमेंट्स एंड फैशन डिजाइन क्लस्टर में 27 फरवरी की सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। प्रदर्शनी-सह-मेला के आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश के विश्वकर्मा कारीगरों एवं शिल्पकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं प्रत्यक्ष विक्रय कर सकें। पारंपरिक शिल्प, हस्तकला, तकनीकी सत्र तथा सांस्कृतिक अनुभव मेला का मुख्य आकर्षण रहेंगे। प्रदर्शनी में विभिन्न श्रेणियों के आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित किये जाएंगे। इनमें हस्तनिर्मित टोकरी, पारंपरिक जूते, लकड़ी के खिलौने, धातु एवं मिट्टी शिल्प, घरेलू उपयोग की कलात्मक वस्तुएं आदि शामिल हैं। प्रदर्शनी सह मेला में कारीगरों को लाइव कार्य करते हुये देखा जा सकेगा तथा सीधे उनसे उत्पाद क्रय किये जा सकेंगे। प्रदर्शनी सह मेला स्थानीय कारीगरों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिये एक मंच उपलब्ध करायेगा साथ ही वोकल फॉर लोकल एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी सुदृढ़ करेगा।

जंगली सुअर के लिए बिछाए गए करंट की चपेट में आए किशोर और युवक की मौत, चरगवां के दियाखेड़ा गांव में देर रात दर्दनाक हादसा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत चरगवां के दियाखेड़ा ग्राम में देर रात एक हृदयविदारक हादसे में करंट की चपेट में आने से एक किशोर और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब जंगली सुअरों से फसलों की सुरक्षा के लिए खेतों के आसपास अवैध रूप से करंट का जाल बिछाया गया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान किशन ठाकुर उम्र अट्ठाईस वर्ष निवासी दियाखेड़ा और गोविंद ठाकुर उम्र सोलह वर्ष निवासी उमरिया डुंगरिया के रूप में हुई है। दोनों देर रात लोहे की रॉड लेकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बिछाए गए करंट के तारों में उलझकर दोनों करंट की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब परिजन उन्हें तलाशते हुए घटनास्थल पर पहुंचे, तो दोनों को मृत अवस्था में देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही चरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जंगली सुअरों से बचाव के लिए खेतों में लगाए गए करंट से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि करंट किसके द्वारा और किन परिस्थितियों में लगाया गया था। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा जा रहा है, क्योंकि जंगली जानवरों से बचाव के नाम पर लगाए जा रहे करंट के तार अब इंसानी जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह के खतरनाक और अवैध उपायों से बचें, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

गोसलपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से 1 पिस्टल और 170 कारतूस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, संगठित अपराध की धाराओं में केस दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोसलपुर पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को एक देशी पिस्टल और 170 जिंदा कारतूस के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से हथियारों के साथ जिस कार से वे सफर कर रहे थे, उसे भी जब्त किया गया है। मामले में आर्म्स एक्ट के साथ-साथ संगठित अपराध की धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कटनी की ओर से आ रही सफेद रंग की होंडा सेंट्रो कार क्रमांक एमपी 20 सी 6302 में दो युवक सवार हैं, जिनके पास भारी मात्रा में हथियार और कारतूस मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच और थाना गोसलपुर की संयुक्त टीम ने मोहतरा टोल प्लाजा पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। कार की तलाशी लेने पर अंदर बैठे दो युवकों से पूछताछ की गई। उन्होंने अपने नाम दरोगा उर्फ विशाल पाण्डे पिता संजय पाण्डे निवासी पटेल नगर महाराजपुर और आदर्श बेन पिता मनोज बेन निवासी टीआई

बंगला सुहागी बताए। तलाशी के दौरान दरोगा उर्फ विशाल पाण्डे की कमर में एक देशी पिस्टल खोंसी हुई मिली। वहीं कार के सामने डैश बोर्ड से 32 बोर के 160 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपी आदर्श बेन के पास से 315 बोर के 10 जिंदा कारतूस भी मिले। पूछताछ में दरोगा उर्फ विशाल पाण्डे ने खुलासा किया कि ये कारतूस उत्तर प्रदेश के अतर्रा, बांदा से भोला मामा नामक व्यक्ति से खरीदे गए हैं। दोनों आरोपियों ने मिलकर करीब 80 हजार रुपये में यह सौदा किया था, जिसमें 72 हजार रुपये के कारतूस दरोगा उर्फ विशाल पाण्डे ने और 8 हजार रुपये के 315 बोर के कारतूस आदर्श बेन ने खरीदे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, 170 जिंदा कारतूस और होंडा सेंट्रो कार जब्त कर ली है। आरोपियों के खिलाफ थाना गोसलपुर में धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही संगठित अपराध के तत्व पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 के तहत भी अलग से कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी विशाल पाण्डे उर्फ दरोगा पहले से ही आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ अधारताल और पनागर थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि हथियारों और कारतूस की यह खेप कहां सप्लाई की जानी थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। इस कार्रवाई को जिले में अवैध हथियारों के नेटवर्क पर बड़ी चोट के रूप में देखा जा रहा है।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। दस्तावेजों के पंजीयन में जनसामान्य की सुविधा और राजस्व को दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन ने होली के अवकाश को छोड़कर माह मार्च में शनिवार और रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में पंजीयन कार्यालयों को खुले रखने के आदेश दिये हैं। शासन द्वारा जारी आदेशानुसार जबलपुर जिले में भी मार्च माह में होली के अवकाश को छोड़कर शनिवार और रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में शासकीय कार्य एवं दस्तावेजों के पंजीयन के लिये वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय, जिला पंजीयक और उप पंजीयक कार्यालय खुले रहेंगे।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी

गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)

पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय-निवास

कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)

Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

खाद्य पदार्थों के विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिये नमूने

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुये नमकीन, मिठाई, मावा, पनीर विक्रय प्रतिष्ठानों का आज बुधवार को भी निरीक्षण किया गया तथा परीक्षण हेतु नमूने लिये गये। निरीक्षण के दौरान रांझी स्थित रजवाड़ी स्वीट्स से गुझिया एवं मावा कतली, नर्मदा डेयरी से मावा एवं पनीर, रामपुर स्थित राजस्थान मिष्ठान्न भण्डार से नमकीन, बेस्ट बंगाल स्वीट्स से खोवा बर्फी एवं बेसन के लड्डू, सत्यनारायण गुजराती नमकीन से नमकीन, कटंगी रोड स्थित ओम बीकानेर मिष्ठान्न भण्डार से खोवा एवं पतीशा, सदर बाजार स्थित बालाजी स्वीट्स से खोवा बर्फी एवं कलाकंद, तिलवारा स्थित कृष्णा स्वीट्स एण्ड नमकीन से मावा बर्फी एवं नारियल बर्फी तथा केक टेडर्स से नमकीन एवं केक के नमूने लिये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार निरीक्षण में मौके पर ही दुग्ध उत्पादों मावा, घी, पनीर आदि का प्राथमिक परीक्षण भी किया गया। प्राथमिक परीक्षण में यूरिया, डिटर्जेंट तथा स्टार्च एवं शक्कर की उपस्थिति नहीं पायी गई।

V-eServices
CSC Service Provider
Vineet Sen 7724012477

Online Form: MP POLICE, MPPSC, UPSC, SSC, RAILWAY, BANK, COLLEGE, RTE SCHOOL, INDIAN ARMY, INDIAN NAVY, NDA, NEET

Document: जीएसटी, पासपोर्ट, ITR Returns, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, रोजगार पंजियन, उद्योग आधार, स्कॉलरशिप फार्म

E-CARD: WEDDING INVITATION, VIDEO, BANNER DESIGN, VISITING CARD, BIRTH DAY INVITATION, INAUGRATION, OTHER E-CARD

Quick Job Apply

बार कोड स्कैन कर, व्हाट्सएप चैनल से जुड़े

सरकारी एवं प्रायवेट जॉब के नोटिफिकेशन पाने के लिए व्हाटसएप चैनल Quick Job Apply से जुड़ें। जहां आपको प्रतिदिन जॉब के नोटिफिकेशन प्राप्त होंगे।

जॉब नोटिफिकेशन और फार्म अप्लाई करने का सबसे विश्वसनीय प्लेटफार्म

व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे ही फार्म भरवायें और समय बचायें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592